संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -21 बुधवार ,22 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

ईडी का सोनिया और राहुल गांधी को बड़ा झटका

» ईडी ने जब्त की यंग इंडिया और एजेएल की 752 करोड़ की संपत्ति

» नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने यंग इंडिया और एजेएल पर की कार्रवाई

» ईडी ने यंग इंडिया और एजेएल की 752 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023(ए)।

नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कांग्रेस से जुड़े एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड और यंग इंडिया के 751 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई है, जिसमें दिल्ली, मुंबई और लखनऊ जैसे कई शहरों में फैले संपत्ती को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है।

अवैध रूप से अर्जित की गई थी संपत्तियां:ईडी

प्रवर्तन निदेशालय ने अपने एक बयान में कहा कि मामले की जांच के दौरान यह पाया गया कि एजेएल और यंग इंडिया की देश के कई शहरों में फैली अचल संपत्तियां अवैध रूप से प्राप्त की गई हैं।

क्या है ये मामला?

मालूम हो कि 1937 में द एसोसिएट नाम से कंपनी बनाई गई थी, इसके मूल निवेशकों में जवाहरलाल नेहरू समेत 5,000 स्वतंत्रता सेनानी थे। यह कंपनी नेशनल हेराल्ड, नवजीवन और कौमी आवाज अखबारों का प्रकाशन करती थी। धीरे-धीरे कंपनी घाटे में चली गई और कांग्रेस पार्टी ने 90 करोड़ रुपये का लोन देकर कंपनी को घाटे की उबारने की कोशिश की। हालांकि, वह सफल नहीं हो पाई।

इसी बीच 2010 में यंग इंडिया के नाम से एक अन्य कंपनी बनाई गई,

जिसमें 76 प्रतिशत शेयर सोनिया गांधी और राहुल गांधी के पास और 12-12 प्रतिशत शेयर मोतीलाल बोरा और आस्कर फर्नांडिस के पास था। कांग्रेस पार्टी ने अपना 90 करोड़ का लोन नई कंपनी यंग इंडिया को ट्रांसफर कर दिया। लोन चुकाने में पूरी तरह से असमर्थ द एसोसिएट जर्नल ने अपना सारा शेयर यंग इंडिया को ट्रांसफर कर दिया। इसके बदले में यंग इंडिया ने महज 50 लाख रुपये द एसोसिएट जर्नल को दिए।

सुब्रमण्यम स्वामी ने खटखटाया था कोर्ट का दरवाजा

भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी ने सबसे पहले 2012 में दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में निजी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने 2000 करोड़ रुपये की कंपनी को महज 50 लाख रुपये में खरीदे जाने को अवैध करार देते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत मामले से जुड़े कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी।

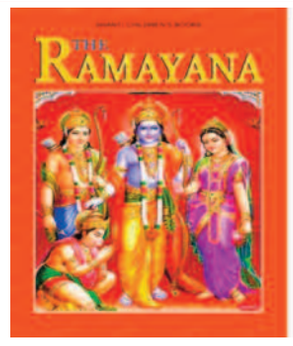

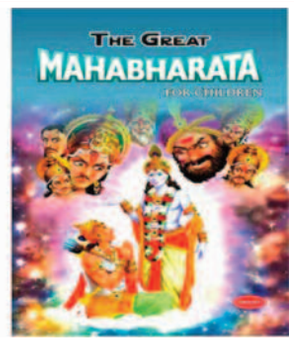

स्कूलों में पढ़ाई जाएगी रामायण और महाभारत

एनआरसीईटी के पाठ्यक्रम में हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023(ए)।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की किताबों में रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों के प्रमुख अंशों को शामिल किया जा सकता है। एनआरसीईटी की उच्च स्तरीय सामाजिक विज्ञान समिति ने सिफारिश की है कि रामायण और महाभारत को इतिहास पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में स्कूलों में पढ़ाया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, समिति ने भारतीय ज्ञान प्रणाली, वेदों और आयुर्वेद को भी पाठ्यपुस्कतकों में शामिल करने का सुझाव दिया है।

समिति के सुझावों में इतिहास के पाठ्यक्रम पर प्रमुख फोकस रहा। समिति ने इतिहास को 4 अवधियों में वर्गीकृत करने की सिफारिश की है। समिति का कहना है कि इतिहास को शास्त्रीय काल, मध्यकालीन काल, ब्रिटिश युग और आधुनिक भारत में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।अभी तक इतिहास के केवल तीन वर्गीकरण हुए हैं, इसमें प्राचीन इतिहास, मध्यकालीन इतिहास और आधुनिक भारतीय इतिहास शामिल है। सभी कक्षाओं में इन तीनों ही कालों को पढ़ाया जाता है।

महाकाव्यों के बन सकते हैं अंश

समिति का कहना है कि इतिहास में शास्त्रीय काल के तहत रामायण और महाभारत को पढ़ाया जाना चाहिए। समिति ने कहा कि छात्रों को ये पता होना चाहिए कि राम कौन थे और उनका उद्देश्य क्या था। छात्रों के पास इन महाकाव्यों के बारे में बुनियादी ज्ञान होना जरूरी है। अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है तो रामायण और महाभारत से जुड़े कुछ प्रमुख अंश किताबों में शामिल किए जा सकते हैं। समिति ने सिफारिश की है कि पाठ्यपुस्तकों में केवल 1 या 2 जगह के बजाय भारत पर शासन करने वाले सभी राजवंशों को जगह दी जानी चाहिए। सुभाष चंद्र बोस जैसे नायकों के बारे में जानकारी को भी शामिल करना चाहिए। इससे छात्रों को भारतीय नायकों और उनके संघर्षों के बारे में जानने का मौका मिलेगा। समिति ने ये भी सुझाव दिया है कि प्रस्तावना को सभी कक्षाओं की दीवारों पर स्थानीय भाषाओं में लिखा जाना चाहिए।

कलेक्टर की बेकाबू कार ने 5 को रौंदा

» मां-बेटी समेत 3 की मौत,

» 2 गंभीर रूप से घायल,गाड़ी छोकर भागे कलेक्टर

मधुबनी,21 नवम्बर 2023(ए)।

बिहार के मधुबनी में मंगलवार (21 नवंबर) की सुबह मधेपुरा डीएम की गाड़ी ने फुलपरास पुरवारी टोला के पास कुछ लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

फुलपरास पुरवारी टोला के पास यह हादसा हुआ है। डीएम की गाड़ी दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। लोगों का आरोप है कि हादसे के बाद उनका सुरक्षाकर्मी डीएम को सुरक्षित लेकर भाग गया। उन्हें रुककर देखना चाहिए था, लेकिन वह भाग गए।

इस हादसे में दो से तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल को इलाज के लिए रेफर किया गया है। घटना सुबह के करीब सात से आठ बजे के आसपास की है। मधुबनी के ष्ठरू अरविंद कुमार ने तीन की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि दो से तीन लोग घायल हुए हैं। उन्हें एंबुलेंस से इलाज के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा है कि मामला संवेदनशील है। घटना की पूरी जानकारी के बाद बयान जारी किया जाएगा।

पटना से आ रही थी मधेपुरा डीएम की गाड़ी

मरने वाले तीन लोगों में एक महिला, एक बच्चा और सड़क पर काम करने वाला एक मजदूर शामिल है। मृतक महिला का नाम गुड़िया देवी (28) और उसकी सात वर्षीय बच्ची है। घायलों को बेहतर इलाज के लिए फुलपरास रेफरल अस्पताल से डीएमसीएच रेफर कर दिया गया है। बताया जाता है कि डीएम की गाड़ी दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया. हादसे के बाद मधुबनी डीएम की गाड़ी रेलिंग से टकरा गई।

गुस्साए लोगों ने किया हंगामा

घटना से आक्रोशित हुए लोग एनएच-57 को जाम करने के बाद हंगामा करने लगे। लोगों ने डीएम की गाड़ी को घेर लिया और गाड़ी में तोड़फोड़ करने लगे। फुलपरास थाना के पास फोरलेन पर यह दुर्घटना हुई है। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ जुटने से पहले डीएम और गाड़ी चालक घटना स्थल से फरार हो गए। गाड़ी फिलहाल वहीं खड़ी है। मधेपुरा के डीएम विजय प्रकाश मीणा हैं और मधेपुरा में डीएम के तौर पर उनकी पहली पोस्टिंग है। वे राजस्थान के रहने वाले हैं।

कैसे हुई घटना?

बताया जाता है कि सुबह में एनएचएआई के कर्मी सड़क पर सफेद पट्टी पेंट कर रहे थे। अचानक एक महिला और एक बच्चा सड़क पर आ गए। उन्हें बचाने के लिए डीएम की गाड़ी के ड्राइवर ने पूरी कोशिश की लेकिन यह घटना हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार गाड़ी में डीएम भी थे। घटना के बाद पुलिस समेत वरीय पदाधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं। आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

बेंगलुरू में उद्योगपतियों के आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी

बेंगलुरु ,21 नवम्बर 2023(ए)।

कर चोरी के आरोपों के बीच आयकर (आईटी) विभाग ने मंगलवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर उद्योगपतियों के आवासों और कार्यालयों पर छापेमारी की। सूत्रों के मुताबिक, छापेमारी जारी है। आज सुबह शुरू हुई एक साथ छापेमारी मगदी रोड, औडुगोडी और अन्य स्थानों

पर की जा रही है। यह छापेमारी उद्योगपतियों द्वारा बड़ी कर चोरी के संबंध में शिकायतों की पृष्ठभूमि में की गई है। अधिकारी आवासों, फ्लैटों और कार्यालयों में रखे गए दस्तावेजों का सत्यापन कर रहे हैं। हाल ही में, आईटी अधिकारियों ने शहर में डाई फरूट डीलरों की दुकानों और आवासों पर छापेमारी की थी।

2020 दिल्ली दंगे:सबूतों के अभाव में 7 लोग हुए बरी

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023(ए)।साल 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में यहां की एक अदालत ने सोमवार को सात आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला की अगुवाई वाली अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे यह साबित करने में विफल रहा कि आरोपी शिकायतकर्ता की दुकान में आगजनी, तोड़फोड़ और चोरी में शामिल दंगाई भीड़ का हिस्सा थे। न्यायाधीश ने शिकायतकर्ता सलमान मलिक की दुकान में तोड़फोड़ और आगजनी पर ध्यान देते हुए, दंगाई भीड़ के हिस्से के रूप में आरोपियों की पहचान पर चिंता जताई।

अभियोजन पक्ष के मुख्य गवाह निसार अहमद ने अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें चार आरोपियों की पहचान की गई। हालांकि, अदालत ने कहा कि फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) द्वारा छेड़छाड़ या हेराफेरी के लिए वीडियो की जांच नहीं की गई थी। घटना के समय में विसंगतियों सहित अभियोजन पक्ष के मामले में विरोधाभासों को ध्यान में रखते हुए, न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे विरोधाभासों ने अभियुक्तों का पक्ष लिया। घटना का वीडियो भी अदालत में पेश नहीं किया गया, जिससे अभियोजन पक्ष के मामले पर और संदेह पैदा हो गया।

नतीजतन, न्यायाधीश ने निष्कर्ष निकाला = अभियोजन पक्ष भीड़ में आरोपी व्यक्तियों की उपस्थिति को उचित संदेह से परे साबित करने में विफल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सभी सात आरोपी व्यक्तियों को बरी कर दिया गया। आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ दंगा, आगजनी और चोरी सहित भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत गोकलपुरी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था।

खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक युवक को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023(ए)।

खालिस्तान समर्थक और भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक ऐसे गुंडे को गिरफ्तार किया है जो सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू की निशानदेही पर भारत विरोधी गतिविधियों पर काम कर रहा था।

बताया जा रहा है कि गिरफ्तार आरोपी ने दो महीने पहले उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में विवादित नारा लिखा था। इस मामले में जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो महीने पहले दिल्ली के कश्मीरी गेट फ्लाईओवर पर खालिस्तान समर्थक भित्तिचित्र मिलने के मामले में हरियाणा के एक युवक को हिरासत में लिया है।

पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ऐसा संदेह है कि उसने गुरपतवंत सिंह पन्नू के कहने पर दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में ऐसी तस्वीरें लीं। इसके अलावा, कश्मीरी

गेट फ्लाईओवर पर खालिस्तान समर्थक और भारत विरोधी नारे लिखे जाने के बाद पुलिस ने 27 सितंबर को एफआईआर दर्ज की थी। गुरपतवंत सिंह पन्नू भारत में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख हैं।

पन्नू पर देशद्रोह का आरोप

आतंकी पन्नू समय-समय पर भारत विरोधी बयान देता है और वीडियो के जरिए भारतीय सिखों को भड़काने की कोशिश करता है। उनके और उनके संगठन के खिलाफ भारत में कई मामले दर्ज किए गए हैं। उन पर पंजाब में सिख युवाओं को हथियार उठाने और अलगाववाद में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का आरोप है। पन्नू पर पंजाब में तीन देशद्रोह के आरोप दर्ज हैं। गृह मंत्रालय ने पन्नू को आतंकवादी घोषित कर दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने स्पाइसजेट के एमडी अजय सिंह को फिर तलब किया

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023(ए)।कम लागत वाली एयरलाइन स्पाइसजेट ने दिल्ली उच्च न्यायालय को पूर्व प्रमोटर कलानिधि मारन को अतिरिक्त 100 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए मजबूर किए जाने पर संभावित दिवालियापन जोखिम के बारे में बताया। एयरलाइन ने इसके बजाय इक्विटी जारी करके बकाया राशि का निपटान करने का प्रस्ताव रखा।

सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पाइसजेट के दिवालियापन के दावों पर संदेह व्यक्त किया और कहा कि देनदारों के बीच ऐसी दलीलें आम हैं। अदालत ने यह भी कहा कि मारन को समझौते के तौर पर शेयर स्वीकार करने के लिए बाध्य

नहीं किया जा सकता। इस बीच, अदालत ने एयरलाइन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह को भी अगली सुनवाई पर अदालत में उपस्थित रहने के लिए बुलाया। इस मामले में सिंह के लिए यह पहला समन नहीं है, इससे पहले उन्हें इसी साल अगस्त में अदालत में पेश होने के लिए कहा गया था।

स्पाइसजेट को मारन और केएएल एयरवेज को 578 करोड़ रुपये और ब्याज का भुगतान करने का निर्देश देने वाले 2018 के मध्यस्थ पुरस्कार के प्रवर्तन से जुड़ा मामला 10 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। यह मामला शुरू में न्यायमूर्ति योगेश खन्ना के पास था, लेकिन अब इसे न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी को स्थानांतरित कर दिया गया है।

स्पाइसजेट ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ में मध्यस्थ फैसले का विरोध किया है, जिससे कानूनी विवाद चल रहा है। मारन ने 440 करोड़ रुपये के ब्याज का दावा किया है, जबकि स्पाइसजेट का कहना है कि उसने अगस्त में अदालत के निर्देश के बाद 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जबकि केवल 194 करोड़ रुपये अधिक बकाया है। स्पाइसजेट का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील अमित सिब्बल ने परिचालन घाटे, नकारात्मक निवल मूल्य और कर्मचारी दायित्वों का हवाला देते हुए एयरलाइन के वित्तीय संकट पर जोर दिया, जिससे दिवालियापन हो सकता है।

बाप ने बटंची चाकू से काटा केक

बेटा बजता रहा ताली

इंदौर,21 नवम्बर 2023(ए)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में एक बेटे को अपने पिता का केक कटवाना इतना भारी पड़ गया कि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। बेटे ने पिता के केक काटने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था जिसके वायरल होते ही उसके खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपी पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इंदौर क्राइम ब्रांच एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में रहने वाले अखिलेश नामक युवक ने अपने पिता का जन्मदिन मनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। इस वीडियो में देखा जा रहा है कि उसने पिता को केक काटने के लिए धारदार चाकू दिया था। वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड होते ही पुलिस तक पहुंचा जिसके बाद इस मामले में

आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। क्राइम ब्रांच ने आरोपी बेटे अखिलेश के खिलाफ कार्रवाई की है तो वहीं उसके पुराने रिकॉर्ड भी खागा ले जा रहे हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर डराने धमकाने के चलते कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं।

इन पर पुलिस और साइबर सेल द्वारा निगरानी बनाए रखने के चलते इस तरह की वीडियो को शेयर करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। इसी कड़ी में यह वीडियो भी सामने आया था जिस पर कार्रवाई की गई है। इसमें साफ तौर पर नजर आ रहा है कि एक बेटा अपने पिता से ही धारदार हथियार चाकू से के कटवा रहा है और इसमें गाना डालकर सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है।

जो किसान पराली जला रहे हैं उन्हें बढ़े हुए लाभ नहीं मिलना चाहिए:सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023(ए)।दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि पंजाब सरकार की रिपोर्ट इस बात का प्रमाण है कि एसएचओ द्वावार किसानों एवं किसान नेताओं के साथ 8 हजार से अधिक बैठकें की गई ताकि पराली न जलाई जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इसके बावजूद खेतों में पराली जलाने का रुझान कम नहीं हुआ है। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने कहा कि हमने पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है और करीब 100 एफआईआर दर्ज की हैं। इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों को आर्थिक लाभ क्यों मिले? सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि

जो लोग पराली जलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक समस्या यह है कि जो लोग पराली जला रहे हैं वे यहां नहीं आएंगे। बिहार में वे इसे अपने हाथों से काटते हैं, हम समझते हैं कि जिन लोगों के पास पर्याप्त जोत है, उनके पास मशीनीकृत कटाई के साधन हैं, लेकिन छोटी जोत वाले लोग पराली जलाने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पंजाब में जमीन धीरे-धीरे सूखती होती जा रही है, क्योंकि जल स्तर कम होता जा रहा है। यदि ज़मीन सूख गई तो बाकी सब चीजें प्रभावित होंगी। कहीं न कहीं किसानों को धान उगाने के दुष्परिणामों को समझना चाहिए या समझाया जाना चाहिए। धान की खेती पर क्या प्रभाव पड़ रहा है, अब इसका अर्थशास्त्र हम नहीं जानते।

संपादकीय

टकराव टालने पर सहमति

तीन पहलुओं के अलावा कोई बड़ी कामयाबी बाइडेन-शी वार्ता में हासिल नहीं हुई। इसलिए इस बात की संभावना नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में गिरावट और तनाव का जो दौर है, उस पर कोई प्रभावी लगाम लग पाएगी।

अमेरिकी राष्ट्पति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्पति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता से दोनों देशों के संबंधों में कोई नाटकीय सुधार होने की अपेक्षा नहीं थी। और ऐसा हुआ भी नहीं। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में दोनों राष्ट्पतियों की हुई शिखर वार्ता में जो सहमतियां बनीं, उनका सार सिर्फ यह है कि दोनों देश यह सुनिश्चित करेंगे कि बिगड़ते संबंध युद्ध भड़कने के हालात तक ना पहुंच जाएं। इस लिहाज से दोनों देशों के बीच हर स्तर पर सैन्य संवाद बहाल करने पर बनी सहमति सबसे अहम है। पिछले साल जब अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान की यात्रा की थी, तो उसके विरोध में चीन ने यह संवाद तोड़ लिया था। इसके अलावा चीन नशीले पदार्थ फेंटानाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले तत्वों का निर्यात रोकने के उपाय करने पर सहमत हुआ। अमेरिका की घरेलू राजनीति में जो बाइडेन इसे अपनी सफलता के रूप में पेश करेंगे।

वैसे दोनों देशों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से संबंधित जोखिम और सुरक्षा के प्रश्न पर संवाद के लिए साझा कार्यदल बनाने का फैसला भी अहम है। एआई में ये दोनों देश अग्रणी हैं और जाहिर है, वे जो मानदंड तय करेंगे, उसका असर दुनिया पर पड़ेगा। मगर इन तीन पहलुओं के अलावा कोई बड़ी कामयाबी बाइडेन-शी वार्ता में हासिल नहीं हुई। बाकी मुद्दों पर उन्होंने अपने-अपने देशों के रुख को दोहराया। इसलिए इस बात की संभावना नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में गिरावट और तनाव का जो दौर है, उस पर कोई प्रभावी लगाम लग पाएगी। शी जिनपिंग ने एशिया पैसिफिक इकॉनमिक को-ऑपरेशन (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई इस मुलाकात को यह जताने का मौका बनाया कि चीन अब एक महाशक्ति है और अमेरिका को उससे उसी रूप में पेश आना चाहिए। जो बाइडेन प्रशासन ने इस मुलाकात को संभव बनाने के लिए जितना परिश्रम किया, उससे शी को अपना यह संदेश प्रसारित करने में एक हद तक सफलता भी मिल गई है। अब देखने की बात है कि क्या ये दोनों बड़ी ताकतें भविष्य में अपने आपसी संबंधों को क्या दिशा देती हैं।

डीपफेक:सबसे बड़े खतरों में से एक

» समाज में अराजकता पैदा करने की क्षमता रखता है

» सरकार का निर्देश-शिकायत के बाद 36 घंटे में डीपफेक से जुड़े फोटोज और वीडियोज को हटाने का निर्देश

» डीपफेक एडिटेड वीडियो-एक चेहरे को अन्य चेहरे से बदल दिया जाता है, जिसमें आईपीसी की धाराओं में कार्यवाही जुर्माना है

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तर पर आधुनिक प्रौद्योगिकी आर्टि फिशियल इंजी नियरिंग,मशीन लर्निंग और डिजि टाइजेशन की पैर पसारती प्रगति ने जहां एक और अति सुख सुविधा समृद्धि उपलब्ध कराई है तो दूसरी ओर इसके अनेकों निष्ठुर, दुराचारी, आर्थिक कमरतोड़ और समाज जाति में बढ़ती अश्लीलता को प्रोत्साहित कर रहे हैं बीते कुछ समय से डीपफेक मामलों के बढ़ते दुरुपयोग की गति से भारत सहित पूरी दुनियां चिंताजनक है। इसके बढ़ते दुरुपयोग से माननीय प्रधानमंत्री सहित केंद्रीय आईटी मंत्री ने संज्ञान लियाहै, इसका दुरुपयोग करने वाले को आईपीसी अधिनियम के अंतर्गत सटीक कार्यवाही और जुर्मानेंट की बात कही गई है चूंकि इस कृत्य से समाज में दूषित वातावरण पनपता है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सरकार के निर्देश, 36 घंटे में डीपफेक से जुड़े फोटोस और वीडियोज को हटाने का आदेश।

साथियों बात अगर हम डीपफेक को समझने की करें तो किसी रियल वीडियो में दूसरे के चेहरे को फिट कर देने को डीपफेक नाम दिया गया है, जिसे हम लोग यकीन मान लें। डीपफेक से वीडियो और फोटो को बनाया जाता है। इसमें मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा लिया जाता है। इसमें वीडियो और ऑडियो को टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर की मदद बनाया जाता है। इसी डीपफेक से वीडियो बनाया जाता है। साधारण शब्दों में समझें, तो इस टेक्नोलॉजी कोडर और डिकोडर टेक्नोलॉजी की मदद ली जाती है। डिकोडर सबसे पहले किसी इंसान के चेहरे को हावभाव और बनावट की गहन जांच करता है। इसके बाद किसी फर्जी फेस पर इसे लगाया जाता है, जिससे हुबहू फर्जी वीडियो और फोटो को बनाया जा सकता है। हालांकि इसे बनाने में काफी टेक्नोलॉजी की जरूरत होती है, ऐसे में आम लोग डीपफेक वीडियो नहीं बना सकते हैं। लेकिन इन दिनों डीपफेक बनाने से जुड़े ऐप मार्केट में मौजूद हैं, जिनकी मदद से आसानी से डीफफेक वीडियो को बनाया जा सकता है। बहुत ही आसान भाषा में कहें तो डीपफेक एक एडिटेड वीडियो होता है जिसमें किसी अन्य के चेहरे को किसी अन्य के चेहरे से बदल दिया जाता है। डीपफेक वीडियोज इतने सटीक होते हैं कि हम इन्हें आसानी से पहचान नहीं सकते। ताजा उदाहरण के लिए हम रश्मि का मंदाना के वीडियो को देख सकते हैं। यदि जारा पटेल का असली वीडियो सामने नहीं आता तो कोई भी यकीन कर लेता है कि यह वीडियो रश्मिका का ही है। किसी भी इंसान का डीपफेक वीडियो बनाया जा सकता है। डीपफेक वीडियो बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की भी मदद ली जाती है।

साथियों बात अगर हम डीपफेक वीडियो बनाने की सजा की करें तो, यदि हम मजाक में किसी का डीपफेक वीडियोज बनाते हैं और शेयर करते हैं तो हमारे खिलाफ आईपीसी की धारा के तहत कार्रवाई हो सकती है। भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। इसके अलावा यदि किसी की छवि खराब होती है तो आपके खिलाफ मानहानी का भी मामला बनेगा। इस मामले में सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ भी आईटी नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है। शिकायत के बाद 36 घंटे के अंदर सोशल मीडिया कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म से इस तरह के कंटेंट को हटाना होगा। सरकार भी डीपफेक को लेकर सतर्क है। सरकार की की तरफ से सोशल मीडियाप्लेटफॉर्म से डीपफेक से जुड़े फोटो और वीडियो को हटाने का निर्देश दिया है। सरकार के निर्देश के मुताबिक सभी प्लेटपऑर्म से 36 घंटों में डीपफेक से जुड़े फोटो और वीडियो को हटाने का निर्देश दिया गया है। डीपफेक वीडियो को फेशियल एक्सप्रेशन से पहचाना जा सकता है।फोटो और वीडियो के आईब्रो, लिप्स को देखकर और उसके मूवमेंट से भी पहचान की जा सकती है।

साथियों बात कर हम डीपफेक के संबंध में माननीय पीएम केविचारों की करें तो, उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल 'डीप फेक' बनाने के लिए किया जाना चिंताजनक है। साथ ही उन्होंने मीडिया से इसके दुरुपयोग और प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने का आग्रह किया था। दिवाली मिलन कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि उन्होंने गरबा महोत्सव में गाते हुए अपना एक वीडियो देखा, जबकि उन्होंने स्कूल के दिनों से ऐसा नहीं किया है। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, यहां तक कि जो लोग उन्हें प्यार करते हैं, वे भी वीडियो को एक दूसरे से साझा कर रहे हैं। उन्होंने कहा,हमारे जैसे विविधता पूर्ण समाज में डीप फेक एक बड़ा संकट पैदा कर सकते हैं और यहां तक कि समाज में असंतोष की आग भी भड़का सकते हैं क्योंकि लोग मीडिया से जुड़ी किसी भी चीज पर उसी तरह भरोसा करते हैं जैसे आम तौर पर गेरुआ वस्त्र पहने व्यक्ति को सम्मान देते हैं। इसी डीपफेक से वीडियो बनाया जाता है। साधारण शब्दों में समझें तो इस टेक्नोलॉजी कोडर और डिकोडर टेक्नोलॉजी की मदद ली जाती है। डिकोडर सबसे पहले किसी इंसान के चेहरे को हावभाव और बनावट की गहन जांच करता है। इसके बाद किसी फर्जी फेस पर इसे लगाया जाता है, जिससे हुबहू फर्जी वीडियो और फोटो को बनाया जा सकता है।उन्होंने कहा, कृत्रिम मेधा के माध्यम से उत्पादित डीप फेक के कारण एक नया संकट उभर रहा है। समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसके पास समानांतर सत्यापन प्रणाली नहीं है। पीएम ने कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि जहां उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विचार व्यक्त किए हैं वहीं उन्हें इस बारे में जागरुकता फैलाने के लिए मीडिया का सहयोग चाहिए।डीप फेक तकनीक शक्तिशाली कंप्यूटर और शिक्षा का उपयोग करके वीडियो, छवियों, ऑडियो में हेरफेर करने की एक विधि है। पीएम ने कहा कि पहले कुछ विवादास्पद टिप्पणियों वाली फिल्म आती थी और चली जाती थीं, लेकिन अब यह एक बड़ा मुद्दा बन गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्मों का प्रदर्शन भी इस आधार पर मुश्किल हो जाता है कि उन्होंने समाज के कुछ तबकों का अपमान किया है, भले ही उन्हें बनाने में भारी राशि खर्च की गई हो। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस तरह सिगरेट जैसे उत्पाद स्वास्थ्य संबंधी चेतावनियों के साथ आते हैं, उसी तरह डीप फेक के मामलों में भी होना चाहिए।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय आईटी मंत्री द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को चेतावनी देने की करें तो उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को चेतावनी दी कि सूचना और प्रौद्योगिकी अधिनियम में सुरक्षित बंदरगाह खंड के तहत उन्हें जो छूट प्राप्त है, वह लागू नहीं होगी यदि वे डीपफेक को हटाने के लिए कदम नहीं उठाते हैं। धारा के अनुसार, किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को उपयोगकर्ताओं द्वारा उस पर पोस्ट की गई सामग्री के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने हाल ही में सभी बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किया है और उनसे डीपफेक की पहचान करने और सामग्री को हटाने के लिए कदम उठाने को कहा है। उन्होंने कहा कि प्लेटफार्मों ने प्रतिक्रिया दी और वे कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन हमने उन्हें इस काम में और अधिक आक्रामक होने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि डीपफेक सबसे बड़े खतरों में से एक है जिसका भारतीय प्रणाली इस समय सामना कर रही है और इसमें समाज में अराजकता पैदा करने की क्षमता है। हाल ही में काजोल, कैटरीना कैफ और रश्मिका मंदाना समेत कई बॉलीवुड कलाकार डीपफेक वीडियो का निशाना बने। डीपफेक तकनीक उपयोगकर्ताओं को मशीन लर्निंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके किसी छवि या वीडियो को संशोधित करने की अनुमति देती है। यह तकनीक वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग में किसी व्यक्ति की उपस्थिति और आवाज में हेरफेर कर सकती है, जिससे प्रामाणिक और हेरफेर की गई सामग्री के बीच अंतर करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि डीपफेक - सबसे बड़े खतरों में से एक - समाज में अराजकता पैदा करने की क्षमता रखता है।सरकार का निर्देश -शिकायत के बाद 36 घंटे में डीपफेक से जुड़े फोटोज़ और वीडियोज को हटाने का निर्देश।डीपफेक एडिटेड वीडियो - एक चेहरे को अन्य चेहरे से बदल दिया जाता है, जिसमें आईपीसी की धाराओं में कार्यवाही जुर्माना है।

आओ चले हम सब मिलकर

आओ चले हम सब मिलकर
कदम से कदम मिला
हो आजादी का ऐसा उत्सव
घर घर लहराए तिरंगा
ना छूटे हाथ किसी का
ना कोई हो तकरार
प्यार अमन की बस बात हो
तिरंगे की ऊंची शान हो
इतिहास से बाहर निकल
आज पर विचार करे
सबका साथ सब का विकास
ऐसा हर एक काम करे
वासुदेव कुटुंब के भावना को
सत्य मे यथार्थ करे
जय हिन्द

केशी गुप्ता
द्वारका
दिल्ली

बागों में नित बहार जरुरी तो नहीं

अहसास से सींचे हर एक रिश्तों को
जग मे साथ निभाते हर फरिश्ते को
दिल जो मिले आश अधूरी तो नहीं
बागो मे नित बहार जरुरी तो नहीं
कभी कम या ज्यादा मिल जाता है
बागो मे भी कई फूल खिल जाता है
अरमा के फूल खिले जरुरी तो नहीं
बागो मे नित बहार जरुरी तो नहीं
अब अहसासों से रिश्ते निभाते रहें
जीवन के गीले शिकवे मिटाते रहें
रूबरू मिलना भी जरुरी तो नहीं
बागो मे नित बहार जरुरी तो नहीं
जो मिला है वो भी उसकी मेहर है
सुख अमृत है तो दुख ही जहर है
सदा सुख मिले हमें जरुरी तो नहीं
बागो मे नित बहार जरुरी तो नहीं
है इश्क अगर तो दर्द मिलेगा जरूर
कांटों मे नित गुलाब खिलेगा जरूर
प्यार मे अंजाम मिले जरुरी तो नहीं
बागो मे नित बहार जरुरी तो नहीं
दुख-सुख तो जीवन का हिस्सा है
जीवन भी एक अनोखा किस्सा है
जीवो हंस के कोई मजबूरी नहीं है
बागो मे नित बहार जरुरी तो नहीं

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़

पेड़ की खामोशी

उस आसमान तकअब
मुझे पता है बारिश होगी
वो आसमान जानता है
कि बारिश नहीं होगी
यह मौन है उस खामोशी का
यह अर्थपूर्ण शब्दों का
अनुवाद कर रहा है
वर्षा पोछा उस माहौल में
पृथ्वी आरामदायक महसूस करती है
मुरझाए फूल हँसते हैं
धरती के लिए छत्र के समान वृक्ष
बारिश की बूंदों की खूबसूरती में
खिलते और मुस्कुराते..
बड़ी खामोशी में

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

तुम भी प्रयास कर सकते हो

कड़ी मेहनत से
मंजिल पा सकते हो,
अपने सपने को
साकार कर सकते हो,
मैने प्रयास किया,
तुम भी प्रयास कर सकते हो।
माता-पिता का नाम
रोशन कर सकते हो,
अपने पैरों पर खड़ा हो सकते हो,
मैने प्रयास किया,
तुम भी प्रयास कर सकते हो।
जीवन में कुछ भी असंभव नहीं,
मेहनत से सब कुछ पा सकते हो,
मैने प्रयास किया,
तुम भी प्रयास कर सकते हो।
अपने भविष्य को
बेहतर बना सकते हो,
अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते हो,
मैने प्रयास किया,
तुम भी प्रयास कर सकते हो।
जीवन में सफल इंसान
बन सकते हो,
कुछ बनकर दिखा सकते हो,
मैने प्रयास किया,
तुम भी प्रयास कर सकते हो।

श्याम सुंदर साहू
,राजिम,
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा अयोध्या में कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

मुजफ्फरपुर,21नवम्बर 2023। बिहार की एम एस केशरी पब्लिकेशन जिसकी संस्थापिका मुस्कान केशरी जी हैं, के द्वारा राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों में यह प्रतियोगिता आयोजित हुआ एवं बस्ती जिले में प्रशांत कुमार जी के स्कूल के बच्चों द्वारा इस प्रतियोगिता में भाग लिया गया, जिसमें सभी बच्चे अपनी साहित्यिक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाया। उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध स्थल श्री राम जन्मभूमि अयोध्या के निवासी प्रशांत कुमार सरोज जी पेशे से एक सहायक अध्यापक है, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में प्राथमिक विद्यालय गोपालपुर में कार्यरत है एंव एम एस केशरी पब्लिकेशन कें कार्यक्रम अध्यक्ष प्रशान्त कुमार सरोज जी के देख रेख में प्राथमिक विद्यालय गोपालपुर, ब्लाक - परशुरामपुर, जिला- बस्ती राज्य - उत्तरप्रदेश में प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों की श्रेणी कक्षा 1 सें 5 तक थी जिसमें प्रतिभागी अंशिका, पल्लवी, हरिश, खुशबु, अंजू, आयुष, कामनी, अमन, संजीत, अंकशु थें। सभी बच्चों नें एक ए-4 साईज की सफेद कागज पर अपना नाम, विद्यालय का नाम और एक कविता लिखी। सभी बच्चों नें एक सें बढ़कर एक कविता लिखी और तीन बच्चों कों विजेता घोषित किया गया। प्रथम विजेता-अंशिका, द्वितीय विजेता-हरिश,तृतीय विजेता-अंजू जिन्हें पब्लिकेशन द्वारा फेमिंग की हुई प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया और सभी बच्चों कों साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़ानें हेतु प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रशान्त कुमार सरोज जी ने बच्चों कों साहित्य के क्षेत्र में आगे बढ़नें हेतु सराहनीय योगदान किया है इसलिए उन्हें एम एस केशरी पब्लिकेशन द्वारा राष्ट्र स्तरीय प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया।जिसमें सभी शिक्षकगण,प्रधानचार्य महोदय और कुछ लेखक एंव लेखिका बच्चों कों सम्मानित करेंगे। सभी बच्चों कों और कार्यक्रम अध्यक्ष प्रशान्त कुमार सरोज जी कों बहुत बहुत शुभकामनाएं।।

बर्बादी का दूसरा नाम है मुफ्तखोरी

चुनाव हमारे लोकतंत्र के उत्सव के रूप में जाने जाते हैं। आजादी के बाद चुनावों की सतत प्रक्रिया के चलते भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रीय देश के रूप में उभरा है। यह समय है राजनीतिक दलों द्वारा अपने-अपने चुनाव घोषणापत्रों के माध्यम से मतदाताओं को अपने दलों की नीतियों और प्रस्तावित कार्यक्रमों से अवगत करवाने का। इतिहास में सभी राजनीतिक दल मतदाताओं को अपने वादों से लुभाने का प्रयत्न करते ही रहे हैं, लेकिन पिछले लगभग डेढ़ दशक में चुनावी वादों का प्रकार बदला है। इन वादों में नीतियों और कार्यक्रमों की बजाय नकद राशि हस्तांतरण और मुफ्त की स्कीमों की घोषणाएं प्रमुखता से होने लगी हैं।

महिलाओं, किसानों, विद्यार्थियों और कई बार अल्पसंख्यकों और अन्य कमजोर वर्गों को नकद हस्तांतरण, समस्त जनता को मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त यात्रा समेत कई मुफ्तखोरी की स्कीमों की घोषणाएं अब एक आम बात हो गई है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने किसानों के कर्ज माफ करने के अलावा मुफ्त बिजली, गैस सिलेंडर की सब्सिडी, महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह, युवाओं को 3000 रुपए बेरोजगारी भत्ते के अलावा कई अन्य मुफ्त की स्कीमों की घोषणा की है। इसी प्रकार की घोषणाएं अलग-अलग राजनीतिक दलों द्वारा की गई हैं। मतदाताओं को रिझाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में विचार करने का विषय है कि क्या यह हमारे लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा है। क्या हमारी सरकारें इन मुफ्त स्कीमों के लिए धन जुटा पाएंगी? कहीं राज्य सरकारों पर कर्ज का बोझ तो नहीं बढ़ जाएगा? इन मुफ्त की योजनाओं का सरकारी योजनाओं, सामाजिक क्षेत्रों पर खर्च और उनके स्तर पर इनका क्या प्रभाव पड़ेगा? इन सभी प्रश्नों पर विचार करना जरूरी हो गया है।

अन्य देशों के उदाहरण

दुनिया के कई देशों में मुफ्तखोरी के कारण सरकारी कर्ज के बढने और कई देशों के तो उसके कारण बर्बाद होने के भी कई उदाहरण मिलते हैं। वेनेजुएला और श्रीलंका इत्यादि के उदाहरणों से पता चलता है कि उन जैसे धनाढ्य़ देश भी मुफ्तखोरी की गलत आर्थिक नीतियों के चलते गरीब देशों से भी बदतर हालत में पहुंच सकते हैं, तो पाकिस्तान सरीखे विकासशील देशों की बिसात ही क्या है। वर्तमान में कल्याणकारी राज्य के नाम पर मुफ्त की स्कीमों के कारण कई अमीर देशों की भी एक लंबी सूची है, जो आज भारी कर्ज में डूबे हुए हैं और अब वे इन स्कीमों को चलाने में सक्षम नहीं हैं।

राज्यों पर बढ़ता कर्ज

लेकिन मुफ्तखोरी की यह बीमारी अब भारत के कई राज्यों में फैलती जा रही है। इस माह होने वाले चुनावों में तो राजनीतिक दलों ने मुफ्तखोरी की योजनाओं की घोषणाओं की झड़ी लगा दी है। मुफ्त बिजली, मुफ्त यातायात, महिलाओं को अनुदान राशि, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता इत्यादि के साथ-साथ मुफ्त वाहन और कई अन्य मुफ्तखोरी की स्कीमों के बारे में हम रोज सुन रहे हैं। कुछ समय पहले भारतीय रिजर्व बैंक और भारत के महालेखाकार एवं अंकेक्षक (कैग) ने अपनी-अपनी रिपोर्टों में मुफ्तखोरी के कारण राज्यों पर बढ़ते कर्ज के बारे में आंकड़े प्रकाशित किए हैं और यह चिंता व्यक्त की है कि जहां-जहां मुफ्तखोरी की स्कीमें ज्यादा चल रही हैं, वहीं-वहीं पर राज्यों पर कर्ज भी बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि एफआरबीएम अधिनियम के अनुसार किसी भी राज्य में ऋण-जीएसडीपी (राज्य का सकल घरेलू उत्पाद) का लक्षित अनुपात 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। लेकिन कैग का कहना है कि देश के अधिकांश राज्यों में यह अनुपात इस लक्षित अनुपात से कहीं ज्यादा है। पंजाब में यह 48.98 प्रतिशत, राजस्थान में 42.37 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 37.39 प्रतिशत, बिहार में 36.73 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 35.30 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 31.53 प्रतिशत, तेलंगाना में 27.80 प्रतिशत, तमिलनाडु में 27.27 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 26.47 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

-डा. अश्वनी महाजन-

राजस्थान में लड़खड़ाता तीसरा मोर्चा

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता व स्टार प्रचारक लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व बड़े नेता लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। भाजपा जहां सभी 200 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं कांग्रेस 199 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस ने भरतपुर सीट राष्ट्रीय लोक दल को गठबंधन में दी है।

जहां कांग्रेस व भाजपा पूरे जोश खरोश के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं तीसरी ताकत बनकर चुनाव परिणाम को बदलने का दावा करने वाले तीसरे मोर्चे के दलों की स्थिति कमजोर लग रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के नेता बड़े-बड़े दावे कर सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने की बात कह रहे थे। मगर मौजूदा चुनावी परिदृश्य को देखकर तो लगता है कि तीसरे मोर्चे के दल अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाने में ही नाकाम लग रहे हैं। तीसरे मोर्चे में शामिल बसपा, आप, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, एमआईएमआईएम, वामपंथी दल, हरियाणा की जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी व भारत आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पूर्व अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ने के बड़े-बड़े दावे किए थे। मगर चुनावी मैदान में इनमें से कोई भी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतर पाई है।

पिछले चार चुनावों से प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही बहुजन समाज पार्टी ने भी 175 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस पार्टी के कई प्रत्याशियों ने तो कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में अपने नाम वापस ले लिए या फिर उनको अपना समर्थन दे दिया है। वही तिजारा से पार्टी ने इमरान खान को प्रत्याशी बनाया था। जिसने अंतिम समय में कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा पार्टी की जीत के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं मगर कैसे जीतेगें इस बात का उनके पास कोई जवाब नहीं है।

बसपा सुप्रीमो मायावती भी चुनावी प्रचार में उतर चुकी है। उन्होंने पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर,झुंझुनू जिलों की कई विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं भी की है। बसपा के सामने सबसे बड़ा संकट पार्टी कि साख को लेकर है। बसपा से 2008 व 2018 में 6-6 विधायक चुने गए थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी को धत्ता बता दिया था। इसलिए लोगों का मानना है कि यदि बसपा के प्रत्याशियों को जीता भी दिया तो वह पार्टी में रहेंगे इस बात की क्या गारंटी है। पिछली बार के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को 6 सीट व 4.03 प्रतिशत मत मिले थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जहां पिछली बार 142 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं इस बार सिर्फ 88 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव से पहले तो अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राजस्थान में कई बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया था। मगर चुनावी अभियान के दौरान दोनों ही नेता अभी तक राजस्थान नहीं आयें है। पिछले चुनाव में आप पार्टी के सभी प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी। आप को को सिर्फ 68051 वोट मिले थे।

नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। मगर चुनाव में उन्होंने सिर्फ 78 सीटों पर ही प्रत्याशी उतारे है और उत्तर प्रदेश की आजाद समाज पार्टी कांशीराम के साथ गठबंधन किया है। जिसके अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण स्वयं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सीट से चुनाव में बुरी तरह हार चुके हैं। उन्हे मात्र 7640 वोट ही मिले थे। हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। यहां तक कि पिछले साल सरदार शहर उपचुनाव में 46000 वोट लेने के उपरांत भी उन्होंने वहां से अपने प्रत्याशी का नामांकन फॉर्म वापस करवा दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में बेनीवाल की पार्टी से 58 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें तीन जीतने में सफल रहे थे वहीं 48 उम्मीदवारों की जमानत जप्त हो गई थी। बेनीवाल की पार्टी को 856038 यानी 2.40 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार बेनीवाल सांसद रहते स्वयं खीवसर से अपने भाई नारायण बेनीवाल के स्थान पर चुनाव लड़ रहे हैं।

आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी नामक नई पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीट जीती थी। उनके आठ प्रत्याशियों के जमानत जप्त हो गई थी। तब पार्टी ने 255100 यानी 0.72 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। इस बार भारतीय ट्राइबल पार्टी का विभाजन हो गया और इससे टूटकर बनी भारत आदिवासी पार्टी ने 27 व भारतीय ट्राइबल पार्टी ने 17 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएमआईएम पार्टी के सिर्फ 10 प्रत्याशी ही खड़े हुए हैं। जबकि चुनाव से पहले ओवैसी 40 से 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। चर्चा है कि ओवैसी को 10 सीटों पर भी मुश्किल से ही प्रत्याशी मिल पाए हैं।

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दातारामगढ़ सीट पर कांग्रेस के मौजूदा विधायक वीरेंद्र चौधरी के सामने उनकी पत्नी रीटा चौधरी जननायक जनता पार्टी से खड़ी होकर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है। राजस्थान में वामपंथी दलों की स्थिति भी कोई ज्यादा अच्छी नहीं है। पिछली बार दो सीटों पर जीतने वाली माकपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में माकपा ने 28 व भाकपा ने 16 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। जिनमें माकपा के दो प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल रहे थे। मगर इस बार माकपा व भाकपा के प्रत्याशियों की स्थिति ज्यादा सुदृढ़ नजर नहीं आ रही है।

राजस्थान में कांग्रेस व भाजपा के अलावा अन्य सभी दलों के नेता अपने आप को तीसरा मोर्चा कलवाना पसंद करते हैं। हालांकि तीसरा मोर्चा के दलों में भी आपस में सामंजस्य नहीं है। वे एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव से पहले यह प्रदेश में सत्ता बनाने के बड़े-बड़े दावे करते रहे हैं। चुनावी मैदान में उनकी स्थिति को देखकर उस लंगड़े घोड़े की याद आती है जो रेस में तो शामिल हो जाता है मगर कभी जीत नहीं पता है। आज वैसे ही स्थिति राजस्थान में तीसरे मोर्चे की हो रही है। आज भी तीसरे मोर्चे के दलों के नेता एक दूसरे की टांग खींचाई करने से नहीं चूक रहे हैं। जो उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बनकर उभर रही है।

क्या कोतवाली पुलिस आरोपियों को संरक्षण देने के लिए है या फिर लोगों को न्याय देने के लिए ?

- घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद पर सीएसपी ने कहा कार्यवाही चाहिए या फिर सीसीटीवी
- आरोपीयों के विरुद्ध गाली-गलौज एवं धमकी देने का कोतवाली थाने में आवेदन देने के 1 घंटे बाद युवक पर हुआ प्राणघातक हमला
- आदतन अपराधियों के हमले से एक युवक हुआ बुरी तरह से घायल...दीपू उर्फ दीपा,विक्की उर्फ विकेश,दीपक व एक अन्य के हमले से गंभीरावस्था में सुमित गुप्ता हुआ अस्पताल भर्ती
- आरोपियों के हौसले बुलंद...पुलिस से गहरी साठगांठ का आरोप...आदर्श आचार संहिता का फायदा उठाकर आरोपियों ने किया हमला... दो दिन के बाद भी आरोपी पुलिस के गिरफ्त से बाहर!
- आरोपियों ने एक युवक को इतना मारा था कि वह गंभीर रुप से घायल हो गया जिसे जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में एडमिट करना पड़ा

प्रार्थी सुमित गुप्ता

प्रार्थी सुमित गुप्ता

आरोपी विक्की उर्फ विकेश

आरोपी दीपा उर्फ दीपू गुप्ता

- भूपेन्द्र सिंह-
अंबिकापुर,21 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के अंबिकापुर शहर की कोतवाली पुलिस के कार्यप्रणाली पर उठ रहा सवाल ...और सवाल भी उठे तो क्यों ना...क्योंकि इनकी कार्यप्रणाली ही है न्याय के विरुद्ध है ? एक ऐसा ही मामला सामने आया है जिसमें कोतवाली पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवाल उठना लाजिमी है। मतदान दिवस के दिन एक युवक के साथ आदतन अपराधियों की नोंक-झोंक हो गई जिस पर आदतन अपराधियों ने उसे युवक को गाली -गलौज की जिस पर युवक ने कोतवाली थाना में जाकर इसकी शिकायत दर्ज कराई पर शिकायत की कॉपी मिली भी नहीं और पावती के लिए 1 घंटे बाद बुलाया गया,जब 1 घंटे बाद युवक सिटी कोतवाली जा रहा था कि इसी बीच आदतन अपराधियों ने उस पर प्राणघातक हमला कर दिया युवक गंभीर रूप से घायल हो गया,दो-तीन युवकों ने लोहे के रॉड व डंडे से बहुत मारा जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया और नाक से खून भी निकलने लगा और जबड़ा भी टूट गया,जिला अस्पताल ले जाने के बाद उनके परिजनों ने अपराधियों की शिकायत थाना में दर्ज कराई पर अपराध तो दर्ज हो गया पर पुलिस न जाने उन्हें पकड़ने में क्यों घबरा रही? खुलेआम वह घूम रहे हैं। वहीं परिजनों का कहना है कि पुलिस उन्हें संरक्षण दे रही है अब ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या पुलिस अपराधी किस्म के लोगों को संरक्षण देती है या फिर आम आदमी को न्याय दिलाने के लिए बैठी है?

मिली जानकारी के अनुसार मायापुर अंबिकापुर निवासी सुमित गुप्ता अपने मित्र सूरज गुप्ता को 17 नवंबर मतदान दिवस के दिन सुबह 10:00 बजे उसके घर घुटारापारा छोड़ने जा रहा था इसी बीच चांदनी चौक नानंदाउ पान ठेला के पास मायापुर निवासी विक्की गुप्ता उर्फ विकेश एवं घुटरापारा निवासी दीपक उर्फ दीपू गुप्ता मिल गए और सुमित गुप्ता को पुरानी लड़ाई-झगड़ा की बात को लेकर गाली-गलौज करने लगे, जिस पर वह मामले को जैसे-तैसे कर शांत कर वहा से निकल कर इसकी शिकायत अंबिकापुर कोतवाली में देने पहुंचा जहां पर थाना प्रभारी मौजूद नहीं थे पर उसने लिखित शिकायत दे कर आया पर वहां पर मौजूद पुलिसकर्मी ने उसे पावती नहीं दी कहा कि 1 घंटे बाद आकर ले जाना, 1 घंटे बाद जब व अपने शिकायत की पावती लेने जा रहा था उसी समय उसी स्थान पर फिर से मायापुर निवासी विक्की गुप्ता व दीपक गुप्ता मिल गए और सुमित गुप्ता को गाली गलौज करने के बाद उसे लड़ाई करने लगे और एक युवक ने लोहे की रॉड से उसके ऊपर प्राण घातक घमला कर दिया और फिर उसे हाथ-मुक्का और डंडे से खूब मारे जिसे देख मोहल्लेवासियों ने बीच-बचाव किया तब कहीं जाकर आरोपी वहां से भागे।जिस वजह से सुमित बुरी तरीके से घायल हो गया और उसे घायल अवस्था में ही जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने गंभीर चोट भी बताई इसके बाद उसके परिजन वहां पहुंचे और परिजनों ने मारपीट की घटना की शिकायत फिर थाने में दर्ज कराई जिसके बाद मामला तो पुलिस ने पंजीकृत कर लिया पर आरोपियों को पकड़ने में उनकी दिलचस्पी बिल्कुल भी नहीं है, खुले आम व घूम रहे हैं और पीड़ित के परिजनों को गाली गलौज मोबाईल में कर रहे हैं और धमकी दे रहे हैं की रिपोर्ट वापस ले लो नहीं तो ठीक नहीं होगा। ऐसे में अंबिकापुर के कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठता है कि आखिर क्या पुलिस आरोपियों को संरक्षण देगी या फि र इतने गंभीर मामले में आदतन अपराधियों को गिरफ्तार क्यों नहीं कर रही।

पुलिस से कैसे करें न्यायिक उम्मीद ?

अंबिकापुर पुलिस पूरी तरीके से एजेंट बनकर काम कर रही है अपराध वहां पर आते हैं पर लोगों को डरा धमका कर या फिर सांठ-गांठ कर उसे मामले को वहीं पर दबा दिया जाता है, यही वजह है कि वहां पर कानून व्यवस्था पूरी तरीके से चरमरा चुकी है वहां पर बैठे पुलिस कप्तान भी इसे गंभीरता से नहीं ले पा रहे हैं आलम यह होता जा रहा है की अंबिकापुर सिटी कोतवाली के अंतर्गत गुंडागर्दी हावी होती जा रही। और सबसे अजीब बात तो यह है कि पुलिस को जहां लोगों के न्याय के लिए आनी चाहिए वहां पर वह आरोपियों को ही संरक्षण करते अमूमन देखे जाते हैं,पुलिस पर शहर के लोगों का यह भी आरोप है कि वहां पर पुलिस एजेंट की तरह काम करती है और पैसे लेने-देने पर अपराध दर्ज होते हैं और धाराएं बढ़ती और कम होती हैं।

आखिर पुलिस क्यों नहीं गिरफ्तार

दो युवकों ने एक युवक को बेरहमी से मारा रिपोर्ट दो दिन बाद दर्ज हुई पर आरोपी अभी भी खुलेआम घूम रहे, पुलिस बनी मूकदर्शक

कर रही आरोपियों को ?

घटना के तीन दिन बाद भी पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है इसकी वजह न जाने क्या है? पर लोगों का मानना है कि पुलिस आरोपियों को संरक्षण दे रही है परिजनों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी न होने की वजह से आरोपी दिनदहाड़े घूम रहे हैं और घरों में घुस के गाली-गलौज कर रहे हैं पर पुलिस इस पर कुछ भी नहीं कर रही है।

सरगुजा के पुलिस कप्तान को लेना होगा संज्ञान

सरगुजा जिले के पुलिस कप्तान को भी इस मामले में संज्ञान लेना होगा ताकि पीड़ित को न्याय मिल सके और अपराधी को सजा, पीड़ित को सिर्फ अब यह उम्मीद सरगुजा पुलिस अधीक्षक से ही रह गई है क्योंकि स्थानीय अधिकारी व पुलिस तो आरोपी को संरक्षण देने में जुटे हुए हैं।

सीएसपी को पीड़ित ने सबूत देने के लिए सीसीटीवी कैमरा में कैद वीडियो का होना बताया पर सीएसपी का जवाब रहा एकदम रुखा

पीड़ित ने हुई घटना को सच साबित करने के लिए पुलिस को सीसीटीवी में कैद फुटेज की जानकारी दी ताकि उन्हें सच का सबूत मिल सके पर सीएसपी साहब सबूत को दरकिनार कर यह कहते पाए गए कि आपको कार्यवाही चाहिए या फिर सीसीटीवी अब सीएसपी साहब के इस वाक्य को सुनकर आप क्या समझेंगे यह भी सोचनीय विषय।

जांच अधिकारी भी कर रहे खानापूर्ति

मामला गंभीर है एक व्यक्ति को काफी छेटे आई हैं पर इसके बावजूद जांच अधिकारी हाथ पर हाथ धरे धरे बैठे हुए हैं आरोपी को पकड़ने में उनकी दिलचस्पी बिल्कुल नहीं है और ऐसा लग रहा है कि आरोपी को संरक्षण भी यही दे रहे हैं।

घर में घुसकर दंपती के साथ मारपीट,जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कुन्री पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम जगन्नाथपुर में सोमवार की रात घर में घुसकर दंपती के साथ मारपीट व छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर जांच में लिया है। दंपती का कहना है कि उन्होंने विधानसभा चुनाव में भाजपा को वोट दिया था, इस कारण मारपीट की घटना को वाहन सवारों ने घर में घुसकर अंजाम दिया। वहीं पुलिस इस घटना को जमीन विवाद से जुड़ा बताते हुए जांच के बाद अग्रिम कार्रवाई की बात कह रही है।मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती जगन्नाथपुर निवासी संतराम व उसकी पत्नी का आरोप है कि सोमवार की रात वह अपनी पत्नी के साथ घर में

था, इसी दौरान घर का दरवाजा तोड़कर घुसे लोगों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया। संतराम का कहना है कि फूल छाप को काहे वोट दिए यह कहकर मारपीट की गई। डंडा से उसके हाथ-पैर, सिर में चोट पहुंचाया गया, इसके बाद वह बेहोश हो गया था। इस दौरान उसकी पति को बचाने के लिए उसकी पत्नी सामने आई तो उसके साथ भी मारपीट की गई। आहत ग्रामीण की पत्नी ने छेड़छाड़ की नीयत से खींचातानी का भी आरोप लगाया है। कहना है कि जब वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो गाड़ी में सवार होकर आए हमलावर भागे। वहीं पुलिस इस मामले को जमीन विवाद से जुड़ा बता रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि वास्तविक मामला क्या है। कुन्री पुलिस चौकी में आशीष सहित अन्य के विरूद्ध धारा 457 सहित अन्य धाराओं के विरूद्ध मामला दर्ज किया गया है।

घर के बाहर खेल रही 2 वर्षीय मासूम बच्ची डबरी में गिरी,ग्रामीण ने बचाई जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कटिंदा में मंगलवार की सुबह 2 वर्षीय मासूम बच्ची खेलने के दौरान घर के पास पानी से भरे डबरी में गिर गई। बच्ची को गिरने एक व्यक्ति ने देख लिए। वह जान का परवाह किए बगैर डबरी में कूदकर बच्ची को सकुशल बाहर निकाला और परिजन को सौंप दिया। परिजन ने बच्ची को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया है।

जानकारी के अनुसार डब्लू कंवर लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कटिंदा का रहने वाला है। मंगलवार की सुबह करीब 9.30 बजे इसकी 2 वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी। परिजन घर के अंदर थे। वहीं घर से करीब 50 मीटर की दूरी पर पानी से भरा डबरी है। बच्ची खेलते हुए डबरी के पास पहुंच गई और उसमें गिर गई। गनिमत थी की डबरी में बच्ची को गिरने गांव के ही एक व्यक्ति ने देख लिया। वह अपनी जान का परवाह किए बगैर बच्ची को बचाने डबरी में कूद गया और उसे सकुशल बाहर निकाला। हालांकि बच्ची पानी पी ली थी। परिजन ने बच्ची को इलाज के लिए लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया है।

सैनिक स्कूल में ऑनलाइन आवेदन की 16 दिसंबर तक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,21 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में कक्षा 6वीं से 9वीं में प्रवेश हेतु अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा दिनांक 21 जनवरी 24 (रविवार) को राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाएगी। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की अधिकारिक वेबसाईट www.nta.ac.in या https://e&ams.nta.ac.in/ AISEE/ पर दिनांक 16 दिसंबर 2023 शाम 5.00 बजे तक भरे जाएंगे।

प्रधान आरक्षक के घर का ताला तोड़कर चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,21 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

मैनपाट पीटीएस में पदस्थ प्रधान आरक्षक के पैतृक घर से चोरों ने नगदी व घरेलू सामानों की चोरी कर ली। घटना बतौली थाना क्षेत्र के शांतिपारा की है। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

जानकारी के मुताबिक बतौली थाना क्षेत्र के शांतिपारा का हरीश शिवानी वर्तमान में पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र मैनपाट में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ है और पीटीएस में बने मकान में ही अपनी मां के साथ रहता है। पिता की मृत्यु के बाद वह अपने पैतृक आवास को किराए पर दिया है। दीपावली व विधानसभा चुनाव के बीच अवकाश होने के कारण किराएदार शांतिपारा स्थित घर में 17 नवंबर से नहीं थे। 20 नवंबर को शांतिपारा निवासी पड़ोसियों ने फोन करके प्रधान आरक्षक को सूचना दी कि उनके घर का दरवाजा खुला है। हरीश ने अपने रिश्तेदारों को इससे अवगत कराया और घर की स्थिति देखने के लिए कहा। रिश्तेदारों ने देखा कि घर का ताला टूटा है। प्रधान आरक्षक खुद घर पहुंचा तो देखा कि घर का तीन बड़ा व दो छोटा ताला तोड़कर चोरों ने 32 इंच का एलईडी टीवी, सेटअप बॉक्स, एयर बेड, सामान रखने का स्टैंड, 10 वीं, 12 वीं तथा बीएससी की अंकसूची सहित दुकान के गल्ले से दो हजार रुपये व घर के भीतर रखी आलमारी से पांच हजार रुपये नगद पार कर दिया था। प्रधान आरक्षक की शिकायत पर बतौली पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

21 नवंबर से 4 दिसंबर तक होगा पुरुष नसबंदी

मोर मितान मोर संगवारी के माध्यम से दूर की जाएँगी शंकाएं

पहले चरण में चलेगा दंपति संपर्क सप्ताह

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 21 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

जिले में पुरुष नसबंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 21 नवंबर से 4 दिसंबर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है, यह पखवाड़ा दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। पहला चरण मोबिलाइजेशन और दूसरा सेवा वितरण चरण के रूप में मनाया जाएगा। इस बार पुरुष नसबंदी पखवाड़े को ''स्वस्थ्य माँ, स्वस्थ्य बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा'' की थीम पर मनाया जा रहा है । पखवाड़े के पहले चरण में लाभार्थियों को पुरुष नसबंदी की जानकारी दी जाएगी और उन्हे इसे अपनाने के लिए तैयार किया जाएगा जबकि दूसरे चरण में सेवाएँ उपलब्ध कराई जायेगें।

दो चरण में होगा आयोजित

पुरुष स्वास्थ्य कार्यकर्ता ''मोर मितान मोर संगवारी'' का आयोजन करेंगे जिसमें वह अपने क्षेत्र के समस्त लक्षित दंपतियों के पुरुषों से संपर्क कर व्यक्तिगत चर्चा में नसबंदी के फायदे बताए जायेंगे और साथ ही समुदाय में फैले हुए पुरुष नसबंदी से संबंधित मिथकों और भ्रांतियों

को दूर करने के लिए परामर्श करेंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर. एन. गुप्ता के द्वारा शहरी क्षेत्र में जागरूकता हेतु जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखा कर रवाना किया गया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. जे.के.रेलवानी, डॉ. वाई.के.किण्डो, डीपीएम डॉ0 पूष्पेन्द्र राम, तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ गुप्ता ने बताया कि पुरुषों की नसबंदी में मात्र 10 मिनट का समय लगता है। ऑपरेशन के समय कोई दर्द नहीं होता। नसबंदी के बाद, तुरंत घर जा सकते हैं। कोई शारीरिक कमजोरी नहीं आती। पहले की तरह शारीरिक श्रम कर सकते हैं। नसबंदी कराने पर पुरुष को 2000 रुपये प्रोत्साहन राशि, प्रेरक को 300 रुपये दिए जाते हैं।

परिवार नियोजन नोडल अधिकारी डॉ0 रोजलीन आर एक्का ने बताया कि मोबिलाइजेशन फेज में प्रत्येक एएनएम, आशा द्वारा पुरुष गर्भनिरोधक साधनों के प्रयोग के लिए इच्छुक दंपत्तियों की पहचान होगी। पुरुष नसबंदी के स्वीकार्यताओं की पहचान करते हुए उनके कार्यकाल और सहकर्मियों के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं समझ का उपयोग करते हुए परिवार नियोजन में पुरुषों की भागेदारी के संबंध में जागरूकता संबंधी गतिविधियां होगी।

पेट्रोल डालकर हैवान पति ने पत्नी को जलाया जिन्दा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 नवम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के बसंतपुर में सोमवार को एक युवक ने पत्नी को हाथ-पैर बांध दिया और मुंह में कपड़ा ठूंसकर पेट्रोल डालकर उसे जिन्दा जला दिया। इधर पास-पड़ोस के ग्रामीणों ने किसी तरह आग को बुझाया और उसे गंभीर अवस्था में वाड्रफनगर स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां से रेफर करने पर उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां सोमवार को देर शाम उसकी मौत हो गई।

मृतिका के पिता देवसाय निवासी रेवटी गोवर्धनपुर ने बताया कि उनकी पुत्री नेहा सोनहा 28 वर्ष ने 9 वर्ष पूर्व ग्राम मदनपुर थाना बसंतपुर निवासी ट्रक चालक रामप्रसाद अगरिया से प्रेम विवाह की थी। शुरू में तो सब कुछ ठीक रहा, दो-तीन साल बाद पति आए दिन उससे मारपीट और प्रताड़ित करने लगा। इनके दांपत्य जीवन के बीच दो पुत्रियों का जन्म हुआ। इधर पति चारित्रिक संदेह पर उसके साथ मारपीट करने लगा। मृतिका के पिता का आरोप है आरोपी रामप्रसाद आए दिन शराब पीकर घर आता और उनकी पुत्री को टार्चर करता था। प्रताडना की हद पार होने पर वह पिछले कछ वर्षों से मायके आकर रहने लगी

थी। तीन-चार माह से पुन- दोनों के बीच बातचीत होने लगी और वह पत्नी नेहा से मान-मनौव्वल करके उसे घर आने के लिए राजी कर लिया था। इसके बाद वह दीवाली के दिन अपने पति के साथ घर आ गई थी। दीवाली खत्म हुए पखवाड़ा भी नहीं बीता था और आरोपी पति ने सोमवार 20 नवंबर को गृहलक्ष्मी को खौफनाक मौत दे डाली। पेट्रोल डालकर अग्निस्नान कराने से महिला 90 प्रतिशत जल गई थी। पास-पड़ोस के लोगों को जब इसका आभास हुआ और वे मौके पर पहुंचे तो रामप्रसाद अगरिया कुल्हाड़ी लेकर दरवाजे पर खाड़ा था। इसके बाद भी एकजुट ग्रामीण अंदर पहुंच गए। उन्होंने भभकती आग से घिरी नेहा को बचाने की हरसंभव कोशिश की और उसे वाड्रफनगर अस्पताल लेकर गए। गंभीर स्थिति देखते हुए उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए चिकित्सक ने रिफर किया था। तत्समय अस्पताल में पत्नी को खौफनाक मौत देने वाला पति भी मौजूद था। रेफर करने पर वह पत्नी को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचा। रात साढ़े आठ के लगभग जैसे ही चिकित्सक ने उसे मृत घोषित किया अस्पताल से आरोपी पति भाग निकला। पुलिस ने मंगलवार को मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया और स्वजन को सौंप दिया है।

ग्राम मदनपुर की एक महिला पर पेट्रोल डालकर पति द्वारा आग लगाने का मामला सामने आया है। महिला ने पति पर जलाने का आरोप लगाया है। इलाज के दौरान महिला के मौत की जानकारी मिली है। अस्पताल में उसका पति भी गया था, जो पत्नी की मौत के बाद फरार हो गया है। अंबिकापुर से मर्ग डायरी आने पर मामले में अपराध दर्ज कर जांच, विवेचना में लिया जाएगा।

डाकेश्वर सिंह,
चौकी प्रभारी वाड्रफनगर

विवादों में ब्रिटिश पीएम

कोरोना काल में लॉकडाउन के खिलाफ थे सुनक, कहा था-लोगों को मर जाने दो,डायरी में दावा

लंदन , 21 नवम्बर 2023 । ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक कोरोना महामारी की स्थिति को संभालने को लेकर विवादों में घिर गए हैं। दरअसल, यहां एक पैनल लंबे समय से इस बात की जांच कर रहा है कि सरकार कोरोना महामारी की स्थिति से कैसे निपटी। इस पैनल ने दावा किया है कि वित्त मंत्री के रूप में सुनक तब कोविड-19 के दौरान दूसरा लॉकडाउन नहीं चाहते थे और उन्होंने कहा था कि लोगों को मर जाने दो।

इस पैनल के मुताबिक, कोरोना महामारी के दौरान सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार पैट्रिक वालैंस थे। उन्होंने सुनक की कही बातों को एक डायरी में नोट कर लिया था।पैट्रिक ने उन पर महामारी के दौरान दूसरे लॉकडाउन को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। 25 अक्तूबर, 2020 को डायरी में लिखे नोट के मुताबिक सुनक ने कहा कि सरकार को लोगों को मरने देना चाहिए।

यह नोट तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और सुनक के बीच एक बैठक के बारे में था। नोट में महामारी के दौरान जॉनसन के वरिष्ठ सलाहकार डॉमिनिक कमिंग्स का जिक्र किया गया है, जिन्होंने वालैंस को बताया कि उन्होंने बैठक में क्या सुना। वालैंस ने अपनी डायरी में कमिंग्स के हवाले से कहा, ऋषि सोचते हैं कि लोगों को मरने दो और यह ठीक है। यह सब पूरी तरह से नेतृत्व की कमी को दिखाता है। डायरी लिखने को लेकर पूछे जाने पर पैट्रिक ने पूछताछ में पैनल को बताया कि वह उस निराशाजनक दिन को रिकॉर्ड करना चाहते थे। हालांकि, डायरी के अगले दिन के नोट से चलता है कि जॉनसन ने अगले दिन एक अलग दृष्टिकोण अपनाया था और कोविड से मरने वालों की संख्या को भयावह बताया था। कोरोना महामारी के दौरान सरकार ने स्थिति को संभालने के लिए कैसे प्रतिक्रिया दी थी, इसकी अभी जांच चल रही है। इस महामारी ने देश की अर्थव्यवस्था के एक बड़े हिस्से को ठप्प कर दिया था। महामारी के दौरान दो लाख बीस हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

फिर उठा इस्राइल-हमास संघर्ष का मुद्दा,भारत ने मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा

संयुक्त राष्ट / जिनेवा, 21 नवम्बर 2023। इस्राइल और हमास के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है, जिसमें अब तक 12 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस बीच, भारत ने मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन प्रयासों की भी सराहना की है जिनका उद्देश्य तनाव कम करना और फलस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना है।

भारत का संदेश स्पष्ट

गाजा पट्टी में मानवीय स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में पूर्ण सत्र की अनौपचारिक बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने सोमवार को जोर देकर कहा कि भारत का संदेश स्पष्ट और सुसंगत रहा है।उन्होंने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन सभी प्रयासों का स्वागत करता है, जो संघर्ष को कम करने की दिशा में प्रयास करते हैं और फलस्तीनियों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।

तनाव बढ़ने से रोका जाए

उन्होंने आगे कहा, हम आतंकवाद के सभी स्वरूपों का दृढ़ता से विरोध करते हैं। स्पष्ट रूप से हिंसा के खिलाफ हैं और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने के पक्ष में हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करते हैं कि आगे और तनाव बढ़ने से रोका जाए, मानवीय सहायता जारी रहे, सभी बंधकों को बिना शर्त रिहा किया जाए। इसके अलावा, सभी पक्ष शांति एवं स्थिरता की जल्द बहाली की दिशा में काम करें।

भ्रष्टाचार मामले में नवाज शरीफ की याचिका पर सुनवाई टली;इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने इमरान खान को दी राहत

इस्लामाबाद, 21 नवम्बर 2023 । इस्लामाबाद हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान नवाज शरीफ के वकील आजम तरार और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की कानूनी टीम को भी सुना। जिसके बाद पीठ ने सुनवाई को 27 नवंबर तक के लिए टाल दिया है। साथ ही कोर्ट ने नवाज शरीफ के वकील को अगली सुनवाई के दौरान दलीलों को पेश करने को कहा है।

बता दें नवाज शरीफ लंदन में लगभग चार वर्ष के आत्म निर्वासन के बाद 21 अक्तूबर को पाकिस्तान लौट आए हैं। सुनवाई के दौरान वह भी मौजूद थे। आठ फरवरी को पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज अपनी पार्टी का नेतृत्व करेंगे। सुनवाई के लिए नवाज शरीफ कड़ी सुरक्षा के बीच अदालत पहुंचे थे।

क्या है मामला

पीएमएल-एन प्रमुख को लंदन में अवैध संपत्ति रखने के लिए जुलाई 2018 में एवेनफिल्ड मामले में एक जवाबदेही अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया था और 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उनकी बेटी मरियम नवाज को भी मामले में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी, लेकिन सितंबर 2022 में उन्हें बरी कर दिया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री को अल-अजीजिया स्टील मिल्स भ्रष्टाचार मामले में भी दोषी ठहराया गया था और दिसंबर 2018 में सात साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को राहत

वहीं दूसरी ओर, इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को ज्यूडिशियल लॉकअप में रखने की अधिसूचना रद्द कर दी है। अधिसूचना में जेल अधिकारियों को साइफर मामले में इमरान खान को ज्यूडिशियल लॉकअप में रखने का निर्देश दिया गया था।

कोर्ट ने फैसले के खिलाफ इमरान खान द्वारा दाय एक इंट्रा कोर्ट अपील पर सुनवाई की, जिसके बाद निर्देश जारी करते हुए अधिसूचना को रद्द कर दिया। इससे पूर्व कोर्ट के दो सदस्यीय पीठ ने फैसला शाम तक के लिए सुरक्षित रख दिया था।

फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए भारत ने बढ़ाए मदद के हाथ;ड्रग्स तस्करी में भारतीय मूल के युवक को सजा

सिंगापुर/ यरुशलम, 21 नवम्बर 2023। फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र को भारत ने 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर दान दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्लूए) ने मंगलवार को भारत द्वारा गाजा के शरणार्थियों के लिए दिए सहयोग का स्वागत किया। फलस्तीनी शरणार्थियों को दी जाने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, राहत और सामाजिक सेवाओं समेत एजेंसी के मुख्य कार्यक्रमों और सेवाओं का समर्थन करते हुए भारत ने 2.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए।

आधिकारिक विज्ञप्ति में दी गई जानकारी के अनुसार, भारतीय प्रतिनिधि ने यरुशलम में यूएनआरडब्ल्यूए के क्षेत्रीय कार्यालय में भारत के निरंतर समर्थन को रेखांकित किया। यूएनआरडब्ल्यूए की प्रवक्ता तमारा अलरिफाई ने कहा, इस कठिन समय में गाजा के शरणार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए भारत के योगदान का स्वागत करते हैं।

भारत लगातार कर रहा मदद

इससे पूर्व नवंबर माह में भारत ने मिस्र के अल अरिश हवाई अड्डे के जरिए फलस्तीनी नागरिकों के लिए 32 टन राहत सामग्री पहुंचाई गई थी। वहीं 2018 से भारत ने यूएनआरडब्ल्यूए को 27.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए हैं। बता दें वर्ष 2020 में आयोजित एक कार्यक्रम में भारत ने घोषणा की थी कि वह अगले दो वर्षों में यूएनआरडब्ल्यूए को 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का सहयोग देगा।

क्या है मामला

हमास-इस्राइल युद्ध के बीच भीषण युद्ध जारी है। लगातार इस्राइल द्वारा गाजा स्थित आतंकी संगठन हमास के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है। गौरतलब है कि सात अक्तूबर को हमास ने इस्राइल पर अचानक पांच हजार रॉकेट दाग दिए। जिसके बाद से दोनों के बीच युद्ध शुरू हुआ। भीषण युद्ध के बीच, यूएनआरब्ल्यूए गाजा स्थित फलस्तीनियों को बुनियादी सेवाएं देने के लिए कार्य कर रहा है। युद्ध के बाद से गाजा की आबादी के दो तिहाई लोग अपने घरों से भागने को मजूबर हुए हैं।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में भारतीय मूल के युवक को 10 वर्ष की सजा

मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में सिंगापुर में भारतीय मूल के युवक को सजा सुनाई। एक सामुदायिक केंद्र में सफा ईकर्मी देवेन्द्रन शानुगम को तस्करी के इरादे से ड्रग्स रखने के दो आरोपों में साफतौर पर दोषी ठहराया गया है। सोमवार को सुनवाई के दौरान युवक को मामले में 10 वर्ष की सजा सुनाई गई।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरों ने आरोपी को वर्ष 2022 के मई माह में गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसने प्रतिबंधित दवाईयों और नकली दवाएं तस्करी के इरादे से उठाई थी। टिबेन राज के खिलाफ मामला अभी भी लंबित है। बता दें यह मामला तब सामने आया कि जब एक व्यक्ति को हेरोइन और मेथामफेटामाइन के साथ पकड़ा था। आरोप है कि वर्ष 2022 में जनवरी और मई के बीच आरोपी ने दवाईयां एकत्र और बांटी थी। जिसके लिए आरोपी ने प्रत्येक डिलीवरी के लिए 500, 2000 सिंगापुर डॉलर लिए थे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति बोले-जंग रोकने को तैयार नहीं रूस,किसी भी कीमत पर नहीं होगी शांति वार्ता

कीव,21 नवम्बर 2023 । रूस और यूक्रेन के बीच बीते डेढ़ साल से ज्यादा समय से जंग जारी है। इस बीच, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने मॉस्को के साथ शांति वार्ता की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है, जबकि युद्ध में उसके सैनिकों की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। रूसी समाचार एजेंसी तास की खबर में यह दावा किया गया है।

तास ने जेलेंस्की के हवाले से कहा कि रूस जंग को रोकने के लिए तैयार नहीं है। इसलिए वह (यूक्रेन) किसी भी कीमत पर शांति वार्ता की बात नहीं कर रहे हैं। खबर के मुताबिक, एक अखबार ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से पूछा कि क्या यह (शांति वार्ता) युद्ध क्षेत्र में रहते हुए कठिन है? तो उन्होंने जवाब में कहा- हां। फिर उनसे सवाल किया गया कि क्या यूक्रेन अब रूस से दोस्ती करेगा या राजनयिक बातचीत की मेज पर आएगा? इस पर उन्होंने नहीं में जवाब दिया।

दरअसल, चार नवंबर को ऐसी खबरें सामने आई थीं कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के अधिकारी रूस के साथ शांति वार्ता पर यूक्रेन के साथ चर्चा कर रहे हैं। इन खबरों में यह भी कहा गया था कि समझौते के तहत कीव को किन इलाकों को छोड़ना पड़ सकता है।

तास के मुताबिक, जेलेंस्की ने इन दावों को खारिज किया है और रूस के साथ बातचीत के दबाव की खबरों पर नाराजगी जाहिर की है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें नहीं पता वे दावे कहां से आए हैं।

चार नवंबर को कीव में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जेलेंस्की ने कहा, वक्त गुजर चुका है, लोग थक चुके हैं..लेकिन यह एक गतिरोध थमा नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष 20वें महीने में प्रवेश कर चुका है। पश्चिमी देशों की ओर से कीव को लगातार मदद प्रदान की जा रही है।

वॉशिंगटन में रूसी राजदूत एनाटोली एनटोनोव ने कहा, यूक्रेन को हाल में दिए गए अमेरिकी सैन्य सहायता पैकेज को कीव शासन के लिए हर मर्ज की दवा के रूप में लेबल किया गया है, लेकिन यह भी पूरी तरह से खत्म होने के कगार पर है।

खबर के मुताबिक, इस बीच, अमेरिका ने सोमवार को यूक्रेन को नई सैन्य मदद के रूप में सौ मिलयन अमेरिकी डॉलर के पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज में एंटी-टैंक हथियार, एयर डिफेंस इंटरसेप्टर और एक हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट शामिल होगा।

लश्कर-ए-तैयबा आज से हमारे लिए भी आतंकी संगठन,मुंबई हमलों की 15 वीं बरसी से पहले इस्राइल का बड़ा एलान

यरुशलम,21नवम्बर 2023। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष को शुरू हुए अब डेढ़ महीने से ज्यादा समय बीत चुका है। इसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच भारत ने इस्राइल पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आतंकवाद तक करार दे दिया। अब इस्राइल ने आतंक को लेकर भारत की दृढ़ता का समर्थन करते हुए पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को अपनी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल कर लिया है। भारत में इस्राइली दूतावास ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस्राइली दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि

26/11 के मुंबई हमलों की 15वीं बरसी के मद्देनजर इस्राइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन घोषित करने का फैसला किया है। इस बारे में भारत सरकार की तरफ से इस्राइल से कोई अपील नहीं की गई, इसके बावजूद देश की तरफ से खुद यह कदम उठाया गया है।

इस्राइली दूतावास ने कहा कि इसे लेकर सभी तरह के जरूरी दस्तावेजी कार्यवाही और सत्यापन पूरा कर लिया गया है और इसी के साथ अब लश्कर-ए-तैयबा इस्राइल की अवैध आतंकी संगठनों की सूची में शामिल हो गया है।

मुंबई हमले में गई थी इस्राइली नागरिकों की जान

गौरतलब है कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुम्बई को बम विस्फोटों और गोलीबारी से दहला दिया था। इस आतंकी हमले में 166 लोग मारे गए थे और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। यह हमला 29 नवंबर तक चला था। इसमें नौ आतंकवादी भी मारे गए थे और जिंदा पकड़े गए आतंकवादी कसाब को बाद में फांसी दी गई थी।

पन्नूं के सिखों को उड़ान न भरने की धमकी देने पर हंगामा, SFJ को नो फ्लाई लिस्ट में शामिल करने की मांग

वाशिंगटन,21नवम्बर 2023। अमेरिका में प्रवासी भारतीयों के एक पैनल ने आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं और उसके प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) को %नो फ्लाई लिस्ट% में शामिल करने की मांग की है। दरअसल, भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पन्नूं के खिलाफ भारत में परिवहन क्षेत्र को लक्षित और बाधित करने के कथित प्रयास के लिए मामला दर्ज किया है। पन्नूं ने एक वीडियो जारी कर सिखों को जान का खतरा बताते हुए 19 नवंबर और उसके बाद एयर इंडिया से उड़ान न भरने की सलाह दी है।

अलगाववादी सिख नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें

भारतीय-अमेरिकियों और भारतीय-कनाडाई लोगों के एक समूह फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने कनाडा के अंदर आतंक और नफरत फैलाने को लेकर पैनल चर्चा के प्रतिभागियों ने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि सरकारें एसएफजे के अलगाववादी सिख नेता के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें।

भारत विरोधी गतिविधियों एसएफजे पर प्रतिबंध

एसएफजे अमेरिका स्थित एक संगठन है, जिसे भारत विरोधी

गतिविधियों के लिए गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भारत में प्रतिबंधित किया है। इस समूह पर साल 2019 में प्रतिबंध लगाया गया था। वहीं, एक जुलाई 2020 में पन्नुन को अलगाववाद को बढ़ावा देने और पंजाबी सिख युवाओं को हथियार उठाने के लिए कथित तौर पर प्रोत्साहित करने के लिए यूएपीए के तहत व्यक्तिगत आतंकवादी भी घोषित किया गया था।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गलत तरीके से पेश किया

एफआईआईडीएस खांडेराव कंद ने कहा, %कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आतंकवाद की स्वतंत्रता के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गलत तरीके से पेश किया है। साथ ही निज्जर की हत्या के लिए भारत के खिलाफ उनके आरोपों ने कनाडा में भारत विरोधी और हिंदू विरोधी अपराधों को भड़काया है। ऐसा लगता है कि उनकी नीतियां चरमपंथ के खतरों की अनदेखी कर रही हैं जो कनाडा पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।

नो फ्लाई लिस्ट में क्यों नहीं रखा

कंद ने आगे कहा, पैनल के सदस्यों ने सवाल किया कि गुरपतवंत पन्नूं और एसएफजे के सदस्यों को एयर इंडिया से यात्रा करने की धमकी देने के लिए नो फ्लाई लिस्ट में क्यों नहीं रखा गया है?

नफरत के ऐतिहासिक बीज बोए

इसके अलावा, कैलिफोर्निया स्थित सुखी चहल ने कहा कि अंग्रेजों और कांग्रेस पार्टी दोनों ने हिंदुओं और सिखों के बीच नफरत के ऐतिहासिक बीज बोए थे। सिख फॉर जस्टिस ने सिखों का प्रतिनिधित्व नहीं किया बल्कि हिंदुओं तथा सिखों के खिलाफ नफरत का प्रचार किया। चहल ने सामूहिक जिम्मेदारी से इस विमर्श को खत्म करने, मूक सिख समुदाय के साथ जुड़ने और यह स्वीकार करने का आग्रह किया कि कई सिख नकली खालिस्तानियों के प्रभाव का शिकार हुए हैं, जिन्हें पश्चिमी राज्यों द्वारा अच्छी तरह से वित्त पोषित किया जाता है।

उदारवादी आवाजों को दबा रहे

कनाडा की रुचि वालिया ने हिंदुओं और सिखों की एकता के महत्व का उल्लेख किया। वहीं, कैनेडियन हिंदूज फॉर हार्मनी के प्रवक्ता विजय जैन ने जोर देकर कहा कि कट्टरपंथी उदारवादी आवाजों को दबा रहे हैं और शांति व सद्भाव के लिए खतरा हैं। उन्होंने सामुदायिक और राजनीतिक स्तर पर जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया।

45 साल पहले कनाडा...

एफआईआईडीएस के विश्लेषक मोहन सोंटी ने कहा कि कनाडा में भारतीयों को मौजूदा खतरा, विशेष रूप से खालिस्तानी आतंकवादियों से करीब 45 साल पहले कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री के पिता पियरे ट्रूडो के साथ उत्पन्न हुआ था।

इस्राइल के साथ युद्धविराम समझौता होने के करीब,हमास चीफ का बड़ा दावा

नई दिल्ली,21 नवम्बर 2023। हमास के नेता इस्माइल हानियेह ने गुरुवार को दावा किया कि वह इस्राइल के साथ युद्धविराम समझौते के करीब हैं। हानियेह ने सोशल मीडिया पोस्ट टेलीग्राम पर यह बयान जारी किया है। बता दें कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी ऐसे संकेत दिए थे कि इस्राइल और हमास के बीच जल्द ही अगवा बंधकों को रिहा करने का समझौता हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने भी दिए संकेत

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस्राइल, हमास के बीच युद्धविराम समझौते को लेकर मध्यस्थता कतर द्वारा की जा रही है। हमास की राजनीतिक विंग का कार्यालय भी कतर में मौजूद है। कतर के पीएम ने रविवार को बताया कि हमास द्वारा अगवा इस्राइली बंधकों को छोड़ने और अल्पकालिक युद्धविराम का समझौता जल्द हो सकता है और यह कुछ मुद्दों को लेकर अटका हुआ है। सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इसके संकेत दिए। दरअसल जब उनसे पूछा गया कि क्या इस्राइली बंधकों को छोड़ने की डील जल्द हो

सकती है तो इस पर बाइडन ने कहा कि मुझे ऐसा ही लगता है।

युद्धविराम के तहत ये हो सकती है डील

मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया जा रहा है कि समझौते के तहत इस्राइल पांच दिनों तक युद्धविराम करेगा और इस दौरान जमीन पर युद्धविराम होगा और उत्तरी गाजा में हवाई हमले भी नहीं होंगे। इसके बदले में हमास इस्राइल के 50-100 बंधकों को छोड़ सकता है। जो बंधक छोड़े जाएंगे, उनमें इस्राइली आम नागरिक और विदेशी नागरिक शामिल होंगे लेकिन किसी भी बंधक सैनिक को नहीं छोड़ा जाएगा। इस समझौते के तहत इस्राइल को करीब 300 फलस्तीनियों को भी रिहा करना पड़ सकता है, जो इस्राइल की विभिन्न जेलों में बंद हैं।

रेड क्रॉस चीफ ने भी की हमास चीफ से मुलाकात

व्हाइट हाउस ने बताया कि संभावित समझौते को लेकर बातचीत अंतिम दौर में पहुंच गई है लेकिन व्हाइट हाउस ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया है। वहीं रेड क्रॉस ने सोमवार को बताया कि उसके अध्यक्ष ने भी कतर में हमास चीफ इस्माइल हानियेह से मुलाकात की है और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने को लेकर चर्चा की। रेड क्रॉस ने दोनों पक्षों से अपील की है लड़ाई में आम नागरिकों की रक्षा की जानी चाहिए। साथ ही रेड क्रॉस ने बंधकों को भी तुरंत रिहा करने की अपील की।

बता दें कि हमास के आतंकियों ने बीती 7 अक्तूबर को इस्राइल की सीमा में घुसकर नरसंहार किया और इस दौरान 1400 लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

मतदान के बाद मतगणना के लिए हुआ प्रशिक्षण

» निर्वाचन आयोग के निर्देशः नियम पर ही करें कार्यः संभागायुक्त श्रीमती शिखा

» जिले के अधिकारियों को दिया नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर,21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कोरिया सहित प्रदेश में 70 विधानसभा में द्वितीय चरण का मतदान 17 नवम्बर को संपन्न हुआ है। अब आगामी 3 दिसम्बर को होने वाले मतगणना के लिए प्रशिक्षण व बैठक का दौर जोरो से चल रहा है। आज इसी कड़ी में सरगुजा संभाग में नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतगणना कार्य हेतु संभाग के 5 जिलों से आए अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में कोरिया जिले से 17 अधिकारी शामिल हुए थे और कोरिया सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की कुल 11 विधानसभा के मतगणना हेतु करीब 141 अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण, जिला पंचायत सभाकक्ष, अम्बिकापुर जिला सरगुजा में दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ श्री यू एस अग्रवाल,

सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुन्दन कुमार, राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रणव सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्चना पाण्डेय एवं राज्य व जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सरगुजा संभागायुक्त शिखा राजपूत तिवारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों ने बेहतर तरीके ने निर्वाचन संपादित कराया है।

निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है और अब मतगणना के कार्य को भी गंभीरता से लेते हुए भली भांति संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण देकर मार्गदर्शन किया है। अब अपने अधीनस्थों को भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना आपकी जिम्मेदारी है। साथ ही निर्वाचन आयोग के निर्देश व नियम के तहत ही कार्य करें।

राज्य निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतगणना के पूर्व तैयारी, मानव संसाधन व आवश्यक संसाधन की व्यवस्था, डाक मतपत्र की गणना, ईव्हीएम मशीन से मतगणना की व्यवस्था, काउंटिंग प्रोसीजर इटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट, मतगणना सॉफ्टवेयर, एनकोर, इंडेक्स कार्ड भरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। मतगणना दिवस के लिए स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष में की जाने वाली नियमों का पालन की विस्तृत जानकारी दी गई। डाक मतपत्र की गणना, कंट्रोल यूनिट का गणना की संपूर्ण प्रक्रिया को समझाया गया। इस दौरान वीवीपैट काउंटिंग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया।

जिलेवार मतदान की संक्षिप्त जानकारियां

विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत सरगुजा जिले में वोटिंग प्रतिशत 80.22 रहा, जिसके तहत कुल 5 लाख 22 हजार 592 मतदाताओं ने मतदान किया। सूरजपुर जिले में 82.05 मतदान प्रतिशत रहा, जिसके तहत 5 लाख 78 हजार 722 मतदाताओं ने मतदान किया। इसी तरह कोरिया जिले में मतदान प्रतिशत 83.12, कुल मतदान 1 लाख 69 हजार 942, बलरामपुर जिले में मतदान प्रतिशत 83.44 एवं कुल मतदान 4 लाख 65 हजार 83 और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में मतदान प्रतिशत 78.70 रहा, जिसके तहत 2 लाख 47 हजार 927 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

पैरावट में आग लगने से पैरा जलकर खाक

बेजुबान जानवरों का छीन गया निवाला

-संवाददाता-
लखनपुर,21 नवम्बर 2023(घटती-घटना)।

थाना क्षेत्र के ग्राम चांदो में एक किसान के खलिहान पैरावट में रखे पैरा में अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। जिससे पेरावट में रखे पैरा जलकर स्वाहा हो गया। आगजनी से एक बड़ी अनहोनी होते होते टल गया दरअसल इस भीषण आगजनी से बसाहट के घरों में तथा खलिहानो में रखे धान फसल में आग लग सकती थी। पूर्व सरपंच भूखल राम मझवार के बताये मुताबिक घटना दिन सोमवार के दोपहर करीब 3 बजे का है। पूर्व सरपंच घर के समीप खलिहान में रखे पैरा में अज्ञात लोगों ने आग लगा दी।

जिससे पैरावट का सारा पैरा जलकर भस्मीभूत हो गया। आग इतनी तेज थी कि बुझाने तक का मौका नहीं मिला। इस आगजनी से पैरा मालिक की नहीं अपितु उसके बेजुबान जानवरो की तकलीफे बढ़ गई है।

आग लगने से किसान को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। प्रभावित किसान ने प्रशासन से क्षति पूर्ति सहायता राशि की मांग किया है ताकि अपने मवेशियों के लिए फिर से पैरा खरीद सकें।

हमें अपने परंपरागत संगीत,कला और साहित्य को जानना होगाः एन.के.सिन्हा

» केन्द्रीय विद्यालय चिरमिरी में रूट्स टू रूट्स द्वारा आयोजित हुआ कथक नृत्य कार्यशाला।

- संवाददाता -
चिरमिरी 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

केंद्रीय विद्यालय एसईसीएल, चिरमिरी में मंगलवार को रूट्स टू रूट्स संस्था के कलाकार अखिलेश पटेल द्वारा छात्रों को कथक की मूल बातें समझाने और उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए एक कथक नृत्य कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला रूट्स टू रूट्स की एक पहल थी, जिसका उद्देश्य छात्रों को कला और संस्कृति को विकसित करने में मदद करने के लिए दूरदराज के शहरों तक भी पहुंचाना है।

विद्यालय के प्राचार्य एन.के.सिन्हा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं आये हए कलाकारों का पुष्प गुच्छ से प्राचार्य ने स्वागत किया। श्री सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि हमें भारतीय संस्कृति और सभ्यता को जानना है तो हमें अपने परंपरागत संगीत, कला और साहित्य को जानना होगा। इस संस्था के साथ जुड़ना एक गौरव की बात है। इससे कई विद्यार्थियों में संगीत के प्रति रुचि बढ़ी है। उन्होंने कहा कि रूट्स टू रूट्स संस्था केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा नियोजित संस्था है जो भारतीय कला, संगीत और संस्कृति को देश के कोने कोने में प्रचारित, प्रसारित और प्रशिक्षण का काम कर रही है।आपको बता दे कि रूट्स 2 रूट्स एक गैर-लाभकारी संगठन है जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से शांति और समझ को बढ़ावा देता है। 2004 में स्थापित, संगठन ने संगीत, नृत्य, कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों के माध्यम से लोगों को एक साथ लाने के लिए 100 से अधिक देशों के साथ काम किया है। कार्यक्रम के समापन में कलाकार श्री पटेल के द्वारा भावपक्ष के अंतगर्त होली की प्रस्तुति दी एवं उनके साथ कलाकार आशुतोष तिवारी ने तबले के साथ संगत किया। कार्यक्रम का संचालन संगीत शिक्षिका सुश्री बी नागवंशी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक और छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

अंधे कत्ल का खुलासा कर चौकी रेवटी पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

- संवाददाता -
सूरजपुर,21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बीते रविवार को ग्राम डांडकरवां चौकी रेवटी निवासी रामसुन्दर पण्डो ने चौकी रेवटी में सूचना दिया कि इसकी चाची कलावती अपने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना पर मर्ग कायम पर पुलिस फौरन मौके पर पहुंची। मर्ग जांच पाया गया कि मृतिका फांसी नहीं लगाई बल्कि फांसी का बनावटी गठान का रूप दिया गया है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतिका का हत्या कर साक्ष्य छुपाने के उद्धेश्य से बनावटी फांसी का रूप दिया गया है जबकि वास्तविक घटना स्थल

उसी के बगल दूसरे कमरे का होना पाए जाने पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र. 109/23 धारा 302, 201 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री आई कल्याण एलिसेला ने घटना स्थल का बारीकी से मुआयना करते हुए साक्ष्य संकलन करने, आरोपी की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने निर्देश देते हुए डॉग स्क्वार्ड को मौके पर भेजा। मामले में डॉग स्क्वार्ड व जांच में मिले अहम सुराग के आधार पर चौकी रेवटी पुलिस ने संदेही रामनरेश पण्डो को पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि मृतिका उसे अपशगुन होने की बात कहती थी जिस कारण आवेश में आकर गमछा से गला घोटकर हत्या कर दिया और बचने के लिए फांसी लगाने का स्वरूप दिया। मामले में आरोपी राम नरेश पण्डो पिता स्व. धनकुधारी उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम डांडकरवां, चौकी रेवटी को गिरफ्तार किया गया है। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शोभराज अग्रवाल व एसडीओपी प्रतापपुर अरूण नेताम के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी रेवटी सुमंत पांडेय, प्रधान आरक्षक ज्योतिष पटेल, शिव राजवाड़े, रावर्ट तिग्गा, आरक्षक बलिंदर खलखो, तीरथ राजवाड़े, निर्मल राजवाड़े, महासागर तिर्की व जयजीत टोप्पो सक्रीय रहे।

कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस पश्चात निर्वाचन से संबंधित चर्चा के लिए आयोजित की बैठक

- संवाददाता -
सूरजपुर, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतदान प्रक्रिया के समापन के पश्चात कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल ने जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आज सर्व जिला प्रमुख की उपस्थिति में एक बैठक रखी थी। जिसमें उन्होंने सभी उपस्थित जनो द्वारा मतदान दिवस तक निर्वाचन की प्रक्रिया में आपसी समन्वय और टीम भावना से किये गये कार्य की सहराना की। उन्होंने विशेष रूप से जिलें में कार्यरत सभी महिला अधिकारियों के कार्य को अद्वितीय बताया । उन्होंने प्रशिक्षण, स्वीप इनिशिएटिव एण्ड इनोवेशन की नोडल सुश्री लीना कोसम, इलेक्शन कंट्रोल रूम, निर्वाचन व मॉनिटरिंग व एमसीएमसी की नोडल श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री प्रियंका वर्मा, सी-विजिल की नोडल श्रीमती शिवानी जायसवाल व अन्य निर्वाचन संबंधित महिला अधिकारियों की प्रशंसा की और 24/7 उनके द्वारा किये गए कार्य को सराहनीय बताया ।

प्रशिक्षण के माध्यम से निर्वाचन कार्य के लिए जिले को एक स्कीलड टीम मिली जिसके लिए उन्होंने मास्टर ट्रेनरों द्वारा चलाये गये सघन प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रिटर्निंग ऑफिसर पीठासीन अधिकारी, सेक्टर ऑफिसर, एसएसटी, एफएसटी, मतदान दल व अन्य सभी के योगदान की सहराना की।

भैयाथान के बहुचर्चित पौने दो करोड़ के पशु ऋण घोटाले के आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

एक आरोपी जेल, दो पहुँचे अस्पताल

- ओमकार पांडेय-
सूरजपुर, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शिवप्रसादनगर सहकारी समिति में हुए पशु ऋण गड़बड़ी मामले में आरोपी सहकारी बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक,समिति प्रबंधक व एक अन्य कर्मचारी की जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। हालांकि सोमवार को अस्पताल प्रबंधन व पुलिस की मेहरबानी से शाखा प्रबंधक व समिति प्रबंधक जेल जाने से बच गए। ज्ञात हो कि शिवप्रसादनगर सहकारी समिति के द्वारा अपात्र किसानों को नियम विरुद्ध तरीके से पशु संबंधी ऋण प्रदान किया गया था।जिसकी शिकायत कलेक्टर इफ्फत आरा से की गई थी।जिसपर कलेक्टर ने चार सदस्यीय जांच टीम गठित कर मामले की जांच कराकर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश बैक के सीईओ को दी थी, लेकिन थाना प्रभारी के द्वारा 10 बिंदुओं पर आपत्ति लगाकर पुनः जांच हेतु वापस जांच दल के पास भेज दिया था। जांच दल ने पुनः10 बिंदुओं पर जांच कर जमा कर दिया तदोपरांत थाना झिलमिली में तत्कालीन बैंक के शाखा प्रबंधक अजित सिंह, समिति प्रबंधक साधना कुशवाहा व समिति के कर्मचारी मन्नू लाल के विरुद्ध धारा 409, 420 व 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया था।मामले में रिपोर्टकर्ता सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी रामचंद्र ठाकुर ने जांच प्रतिवेदन के अनुसार झिलमिली थाने में लिखित शिकायत प्रस्तुत करते हुए बताया है कि बैंकिंग नियम उलंघन करते हुए निर्धारित ऋणमान के विपरीत दोषियों ने 71 किसानों को 1,88, 59000 (एक करोड़ अठ्ठासी लाख उनसठ हजार रुपये) का ऋण स्वीकृत करा दिया था।

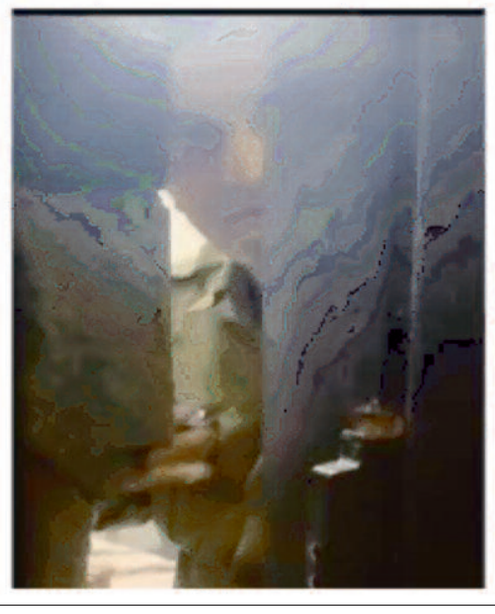

जिससे समिति व बैंक को आर्थिक क्षति पहुंची है।पुलिस ने तब आरोपियों को चेक लिस्ट के आधार पर जमानत दे दिया था।मगर सोमवार को इस मामले की डायरी जब अदालत में पेश हुई तो तीनों आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर जेल भेज दिया गया।

जैसे ही न्यायालय से जमानत याचिका रद्द हुई वैसे ही शाखा प्रबंधक व समिति प्रबंधक को अस्पताल ले जाया गया जहाँ डाक्टरो ने उन्हें अनफिट घोषित कर अस्पताल में दाखिल कर लिया गया।जिससे वे जेल जाने से बच गए पर तीसरा आरोपी को पुलिस ने जेल दाखिल कर दिया था।मंगलवार को फिर एक बार जिला अदालत से जमानत याचिका खारिज कर दी गई है।

अस्पताल में कायदे से कैदी वार्ड में रखना था पर बताते है कि अस्पताल प्रबंधन व पुलिस की मेहरबानी से शाखा प्रबंधक को फीमेल के प्रायवेट वार्ड में पूरे सुख सुविधा के साथ रखा गया था।हालांकि , बाद में मीडिया के सवालों से बचने के लिए देर रात दिखाने के लिए कैदी वार्ड में शिफ्ट किया गया था।आरोपी को क्या परेशानी है इसे लेकर डॉक्टर कोई स्पष्ठ जवाब नही दे पा रहे थे।जिस चर्चित डॉक्टर ने चेक किया था वे मोबाइल रिसीव नही कर रहे थे और हायर अथार्टी किसी मीडिया पर्सन को कुछ बीमारी तो कुछ को बीमारी बता कर पल्ला झाड़ रहे थे।सूत्रों की माने तो अस्पताल में आरोपी मौज मस्ती में थे जिसकी कीमत भी अदा की गई थी।लिहाजा अस्पताल प्रबंधन को जबाव देते नही बन रहा था।इधर देर रात जब कुछ मीडिया कर्मी अस्पताल पहुँचे थे तो आरोपी जहाँ आय बाय चिल्ला कर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था तो वहीं पुलिस कर्मियों के चेहरे की हवाइंया उड़ी हुई थी और वे मिन्नते कर रहे थे।जबकि अफसर डाक्टर का हवाला देकर खुद बचते नजर आए।

CMYK

पाम मॉल एक बार फिर सुर्खियों में,युवती के साथ माल के कर्मचारी ने की हाथापाई

- राजा मुखर्जी -
कोरबा,21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के परिवहन नगर में स्थित पाम मॉल किसी न किसी बहाने सुर्खियों में आ ही जाता है । बताया जा रहा है के पाम माल के पार्किंग स्टाफ ने मामूली बात पर एक युवती की पिटाई कर दी । इससे पूर्व भी इस मॉल के ओ.एन.सी बार में कई बार ग्राहकों के साथ मारपीट की घटनाएं हो चुकी है । घटना की जानकारी देते हुए युवती ने बताया के उनके द्वारा एक दो पहिया वाहन मॉल के सामने मुख्य मार्ग के खाली जगह पर खड़ा किया गया था के तभी वहां खड़े मॉल के पार्किंग कर्मी ने यह माल का जगह है कहकर वाहन हटाने को कहा, जिस पर युवती ने किसी का इंतजार कर रहे है,आते ही चले जायेंगे,पर कर्मी ने बात नही मानते हुए उन्हें फौरन वाहन से जाने को कहा ढ्ढ जिस पर महिला ने उनसे विनती की पर माल कर्मी ने एक न सुनते हुए अपने साथी के साथ युवती की पिटाई कर दी । जिस पर युवती ने इस घटना की जानकारी अपने परिवार को दी । घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोगों ने घटनास्थल पहुंच मामले की जानकारी पुलिस को दी । सीएसईबी चौकी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों कर्मियों को हिरासत में लिया साथ ही परिवार के लोगों को समझाइश देते हुए मामले को शांत करवाया एवं उक्त कर्मचारियों पर आगे की कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया । बता दे की जिस स्थल पर यह घटना घटी यह सार्वजनिक स्थल है पर पाम माल के द्वारा इस सड़क किनारे राहगीरों के चलने वाले स्थल को भी अपना बताकर घेर लिया गया है, जिसका परिणाम यह है के रास्ते की चौड़ीकरण कम होने से यहां आए दिन कर्मचारी एवं राहगीरों के बीच बहस होना आम बात हो चला है । जिसे देखते हुए नगर निगम एवं ट्रैफिक विभाग को चाहिए की वे इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सार्वजनिक स्थल जिसे माल का पार्किंग के नाम से कब्जा किया गया है को खाली कराकर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करें, जिससे जिले के राहगीरों को किसी भी विवाद का सामना न करना पड़े ।

टाटा मोटर्स में कार्यरत कर्मी रोजी की हत्या के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा,21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले के दर्रीपारा क्षेत्र में बीती रात एक व्यक्ति की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है हत्या हुए व्यक्ति कुसमुंडा प्रेस क्लब के पूर्व सदस्य नरेंद्र पाल सिंह उर्फ रोजी है। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा तहकीकात शुरू कर दी गई है। वहीं घटना से मृतक का परिवार सदमे में है। प्रारंभिक सूचनाओं के मुताबिक नरेंद्र पाल टाटा मोटर्स में कार्यरत थे।

प्रतिदिन की तरह सोमवार को भी वे काम पर गए हुए थे, लेकिन देर रात होने के बाद भी जब घर नहीं लौटे तो परिवारों को चिंता होने लगी। जिस पर परिजनों द्वारा खोज खबर लिए जाने पर रोजी के साथ अनहोनी होने की जानकारी परिवारों को मिली, जिसके बाद परिवार के सदस्य और कुछ लोग घटना स्थल दर्री थाना क्षेत्र के सरदार पटेल कालोनी रवाना हुए। बताया जा रहा है कि सरदार पटेल नगर में वे महिला मित्र से मिलने गए थे। महिला एक कॉन्वेंट स्कूल की टीचर है एवं रोजी का उस महिला के घर आना जाना था पर उस महिला के बेटे को यह पसंद नही था । बीती रात जब रोजी महिला मित्र से मिलने गया तो महिला के बेटे ने विरोध किया एवं दोनो के बीच बहस होने लगी, जिस पर आरोपी बेटे ने उसपर ताबड़तोड़ बेसबॉल के बैट से उस पर प्रहार कर दिया ,जिससे उसकी मृत्यु हो गई । पुलिस को इस घटना की सूचना मिलने पर मौके में पहुंच आरोपी को गिरफ्तार कर लिया ,साथ ही मामले की तहकीकात शुरू कर दी गई है की आखिर महिला के बेटे ने किन कारणवश नरेंद्र पाल की हत्या की ।

एग्जिट पोल का आयोजन करना और परिणाम का मीडिया में प्रकाशन और प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित

छत्तीसगढ़ में एग्जिट पोल 30 नवम्बर 2023 तक प्रतिबंधित

- संवाददाता -
बलरामपुर, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 07 नवम्बर 2023 से लेकर 30 नवम्बर 2023 अपराह्न 6.30 बजे तक किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन करने तथा प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम के प्रकाशन, प्रचार व किसी भी अन्य तरीके से उसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना प्रकाशित की है, जिसमें लो.प्र.अधिनियम 1951 की धारा 126 क में निर्देश दिया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत (एग्जिट पोल) सर्वेक्षण नहीं करेगा और राज्य के किसी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिए नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल व किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामले के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग के पत्र क्रमांक 491, 25 अक्टूबर 2013 में उल्लेख किया गया है कि निर्वाचन प्रचार से संबंधित विधिक उपबंध सोशल मीडिया पर उसी तरह लागू होते हैं जैसे वे किसी अन्य मीडिया का इस्तेमाल करके किए जाने वाले निर्वाचन प्रचार के किसी अन्य रूप पर लागू होते हैं। इसलिए सोशल मीडिया में भी एग्जिट पोल का आयोजन और परिणाम का प्रकाशन, प्रचार-प्रसार प्रतिबंध है।

सिंचाई विभाग के ईई ने नशे में चूर होकर मचाया हंगामा,हुई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

- राजा मुखर्जी -
कोरबा,21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर के पॉश कालोनी में रहने वाले सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता को नशे की हालत में आए दिन हंगामा मचाना महंगा पड़ गया। नशे में चूर अफसर ने अपने पड़ोसी को भी नही बख्शा। उनकी गाली गलौज और धमकी से परेशान पड़ोसी थाना जा पहुंचा। शिकायत मिलने पर पुलिस ने अधिकारी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। मामला मानिकपुर पुलिस चौकी अंतर्गत पावर हाइट्स अपार्टमेंट की है। पावर हाईट्स के मून ब्लॉक के आवास क्रमांक 303 में धर्मेंद्र प्रसाद वर्मा निवास करते हैं। उनके बाजू में ही आवास क्रमांक 304 में सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता राजेश धवनकर परिवार सहित रहते हैं। श्री वर्मा ने मानिकपुर पुलिस से शिकायत की है, जिसके मुताबिक सिंचाई विभाग के ई श्री धवनकर शराब के नशे में आए दिन भद्दी भद्दी गालियां देते हैं। वे रविवार की दोपहर करीब एक बजे नशे की हालत में श्री वर्मा के घर जा पहुंचे। उन्हें गाली गलौज करना शुरू कर दिया। सोसायटी के पदाधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया, लेकिन शाम करीब चार बजे श्री धवनकर ने पुनः गाली गलौज शुरू कर दी। वे बार बार हाथ में पेचकस लेकर दौड़ने लगे। हद तो तब हो गई, जब रात 8 बजे अफसर श्री वर्मा को धमकाने लगे। वे 8-10 लडकों को बुलाकर मरवाने और जातिगत झुठा मामला दर्ज करा कर फंसा देने की धमकी देने लगे। उनकी धमकी से भयभीत श्री वर्मा ने न सिर्फ मानिकपुर पुलिस से बल्कि पुलिस अधीक्षक से भी मामले की शिकायत कर दी। मामले को लेकर पुलिस चौकी प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि शिकायत मिलने पर सिंचाई विभाग में कार्यरत राजेश धवनकर के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।

न्यायालय में लंबित प्रकरण त्वरित निराकरण हो:आनन्द कुमार ध्रुव

अधिवक्ता सहित विभागीय अधिकारियों हुई बैठक

- संवाददाता -
कोरिया, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिला बैकुंठपुर-कोरिया के सत्र न्यायाधीश आनंद कुमार ध्रुव द्वारा 16 नवम्बर 2023 को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत के सम्बन्ध में जिला अधिवक्ता संघ कोरिया के अधिवक्ता, जिले में संचालित सभी बैंक, नगर पालिका परिषद, विधुत विभाग बीमा कंपनियों के अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए थे।

बैठक को सम्बोधित करते हुए श्री ध्रुव ने लोक अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के सम्बन्ध में उपस्थित अधिवक्ताओं व अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लंबित प्रकरणों को त्वरित निराकरण करें, व्यक्तिगत रूचि लेते हुए ऐसे सभी जनहित के मुद्दे को शीघ्र निराकरण करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें।

श्री ध्रुव ने कहा कि पक्षकारों, जरूरतमंदों को लोक अदालत के महत्व और उनके उद्देश्य को बेहतर तरीके जानकारी देने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी होते हैं। उन्होंने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत प्रत्येक जरूरतमन्द लोगों को हर सम्भव मदद की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित या पीड़ित परिवारों को त्वरित निर्णय, पारदर्शी व जवाबदेही के साथ न्याय दिलाना हम सबकी जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बैकुंठपुर मोहन सिंह कोराम सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर विरेन्द्र सिंह उपस्थित थे।

धान खरीदी 23-24 बायोमेट्रिक प्रणाली द्वारा हुआ प्रारंभ

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा के मार्गदर्शन में दिनांक 21-11-2023 मंगलवार को उपार्जन केंद्र बंजी तथा उपार्जन केंद्र कौड़ीमार में धान खरीदी 23-24 का प्रारंभ बायोमेट्रिक प्रणाली द्वारा किया गया जिसमें उपार्जन केंद्र बंजी में प्रथम कृषक के रूप में श्री प्रेम कुमार सिंह,ग्राम छिपछिपी से एवं उपार्जन केंद्र कौड़ीमार के कृषक श्री प्रेमलाल आ.रघुनाथ कौड़ीमार से 100 क्वि. एवं उमाकांत आ.शंभुनाथ से 19.20 क्वि. धान की बिक्री की गई। जानकारी अनुसार उपार्जन केंद्र बंजी में नया बारदाना 20 हज़ार एवं पी.डी.एस. बारदाना 500 नग उपलब्ध है ।खाद्य अधिकारी श्री संजय ठाकुर द्वारा दोनों उपार्जन केंद्र प्रभारियों को निर्धारित नमी वाले धान,मानक एवं गुणवत्ता युक्त धन की खरीदी हेतु निर्देशित किया गया।इस दौरान नोडल अधिकारी,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या.श्री आनंद सिंह,सरपंच तथा कृषक उपस्थित रहे ।

विश्व बाल दिवस पर कन्या एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में विविध कार्यक्रम

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

कन्या एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवपुर बतौली में विश्व बाल दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। आयोजन यूनिसेफ छत्तीसगढ़, छत्तीसगढ़ बाल अधिकार वेधशाला, मानव संसाधन संस्कृति विकास परिषद, चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। चिराग सोशल वेलफेयर के समीर कुमार पांडेय ने बताया कि स्वैच्छिक संगठनों के द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों को प्रोत्साहित करने एवं उनके हितों के संरक्षण हेतु बाल सभा, गो ब्लू, सांस्कृतिक आयोजन, खेल एवं किड्स टेक ओवर कार्यक्रम आयोजित किए गए। कन्या एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविन्द अशोक तिग्गा ने बालसभा को संबोधित करते हुए कहा संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की स्थापना का आरंभिक उद्देश्य द्वितीय विश्व युद्ध में नष्ट हुए राष्ट्रों के बच्चों को पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 11 दिसंबर 1946 को की थी, सन 1953 में यूनिसेफ संयुक्त राष्ट्र का स्थायी सदस्य बन गया। निभा पांडेय शिक्षिका ने कहा यूनिसेफ द्वारा बाल विकास, पोषण, शिक्षा, चाइल्ड फ्रेंडली पर्यावरण, पोलियो उन्मूलन सहित अन्य मुद्दों पर शासकीय एवं अशासकीय संगठनों के साथ जुडक़र कार्य किया जा रहा है। युवा सामाजिक कार्यकर्ता दुर्गेश पांडेय ने कहा कि यूनिसेफ की रणनीति 2022 से 2025 तक सभी बच्चों के अधिकर को बढ़ावा देने के लिए यूनिसेफ की अनारक्षित प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बालिकाओं के द्वारा इस मौके पर अपने-अपने विचार रखे गए। बाल सभा के पश्चात शिक्षिका किरण धुर्वे, शिक्षक आनंद मंडल, अनिल श्रीवास्तव एवं शिक्षिका श्रेया सिन्हा के फैसलीटेशन में विविध पारंपरिक खेल हुए। बालिकाओं ने किड्स टेक ओवर के तहत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत प्रतिनिधि की भूमिका निभाई। संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की सभी बालिकाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लियाा। यूनिसेफ छत्तीसगढ़ राज्य प्रमुख जॉब जकारिया के मार्गदर्शन एवं बाल परितोष दास सोशल स्पेशलिस्ट एवं छत्तीसगढ़ बाल अधिकार वेधशाला के सरगुजा संभाग प्रभारी मंगल पांडेय के निर्देशन में हुए कार्यक्रम के अंत में रणधीर सिंह ने विद्यालय के प्रधानाचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्राओं की सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद

गंभीरता के साथ मतगणना कार्य की जिम्मेदारी भी निभाएं:संभागायुक्त श्रीमती शिखा

- 3 दिसंबर को मतगणना, तैयारी शुरू,
- राज्य निर्वाचन कार्यालय से आए नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स
- ट्रेनर्स द्वारा मतगणना कार्य हेतु संभाग के 5 जिलों के अधिकारियों को दिया गया गुणवत्तापूर्ण विस्तृत प्रशिक्षण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 21 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

17 नवंबर को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न होने के बाद अब 3 दिसंबर को मतगणना की जानी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत 3 दिसंबर को होने वाले मतगणना कार्य के लिए पांच जिलों सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर और मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले की कुल 11 विधानसभा के मतगणना हेतु जिले से आये लगभग 141 अधिकारियों को मंगलवार को आवश्यक प्रशिक्षण जिला पंचायत सभाकक्ष सरगुजा में दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षण में राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर एवं उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ यू एस अग्रवाल, सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कुन्दन कुमार, राष्ट्रीय स्तरीय मास्टर ट्रेनर प्रणव सिंह, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्चना पाण्डेय एवं राज्य व जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

सरगुजा संभागायुक्त श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारियों को संभाग में शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सभी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों ने बेहतर तरीके ने निर्वाचन संपादित कराया है। निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराना हमारी प्राथमिकता है और अब मतगणना के कार्य को भी गंभीरता से लेते हुए भली भांति संपन्न कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों एवं अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण देकर मार्गदर्शन किया है। अब अपने अधीनस्थों को भी इसी तरह गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देना आपकी जिम्मेदारी है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सरगुजा कुन्दन ने इस अवसर पर कहा कि राज्य निर्वाचन कार्यालय से मास्टर ट्रेनर मतगणना कार्य हेतु प्रशिक्षण देने यहां उपस्थित हैं। यहां दिए गए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को अपने अधीनस्थों को दें जिससे बेहतर एवं निर्विघ्न मतगणना की कार्यवाही पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि मतगणना बेहद महत्वपूर्ण कार्य है, इसके लिए कुशल कर्मियों का ही चयन किया जाना आवश्यक है।

राज्य निर्वाचन कार्यालय से पहुंचे मास्टर ट्रेनर के द्वारा मतगणना के पूर्व तैयारी, मानव संसाधन व आवश्यक संसाधन की व्यवस्था, डाक मतपत्र की गणना, ईव्हीएम मशीन से मतगणना की व्यवस्था, काउंटिग प्रोसीजर इटीपीबीएस एवं पोस्टल बैलेट, मतगणना साफ्टवेयर, एनकोर, इंडेक्स कार्ड भरने की व्यवस्था जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी गई। मतगणना दिवस के लिए स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष में की जाने वाली नियमों का पालन की विस्तृत जानकारी दी गई। डाक मतपत्र की गणना, कंट्रोल यूनिट का गणना की संपूर्ण प्रक्रिया को समझाया गया। इस दौरान वीवीपैट काउंटिग का लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी दिया गया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की टी 20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार बने कप्तान

श्रेयस अय्यर आखिरी दो मैच खेलेंगे

मुंबई,21 नवंबर 2023 । चयनकर्ताओं ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप खेलने वाले अधिकांश शीर्ष सितारों को आराम देने का फैसला किया है, लेकिन सूर्यकुमार यादव 23 नवंबर को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे।

अहमदाबाद में फाइनल में भारत के ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक में सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर सभी खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया गया, जिन्हें घायल ऑलराउंडर हार्दिक

पंड्या के बदले शामिल किया गया था।चयनकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। भारत के पूर्व बल्लेबाज और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वी.वी.एस. लक्ष्मण को टीम के कोच के रूप में घोषित किए जाने की संभावना है, क्योंकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़, जिनका कार्यकाल विश्व कप के बाद समाप्त होने वाला है, ने तीन महीने बाद छुट्टी लेने का फैसला किया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक विज्ञप्ति में बताया कि रुतुराज गायकवाड़ पहले तीन मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव के डिप्टी होंगे, जबकि श्रेयस अय्यर रायपुर और बेंगलुरु में आखिरी दो टी 20 आई के लिए उप-कप्तान के रूप में टीम में शामिल होंगे। .

बीसीसीआई की विज्ञप्ति के अनुसार पांच मैच विशाखापत्तनम (23 नवंबर), तिरुवनंतपुरम (26 नवंबर), गुवाहाटी (28 नवंबर), रायपुर (1 दिसंबर) और बेंगलुरु (3 दिसंबर) में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया टी20आई श्रृंखला के लिए टीम में अधिकांश खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से जसप्रीत बुमराह नहीं हैं, जिन्होंने विश्व कप से पहले आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश का प्रतिनिधित्व किया था। आयरलैंड में टीम की कप्तानी करने वाले बुमराह को विश्व कप टीम का हिस्सा बनने के बाद आराम दिया गया है। टीम यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और रवि बिश्नोई को वापस लाती है।

भारत की टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), इशान किशन, यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आवेश खान, मुकेश कुमार।

इटली,स्लोवेनिया और चेक गणराज्य ने यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया

इटली,21 नवंबर 2023 ।पिछले दो विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे इटली ने अगले साल होने वाली यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में अपनी जगह सुरक्षित करके राहत की सांस ली। इटली के अलावा स्लोवेनिया और चेक गणराज्य ने भी यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया।

चेक गणराज्य के कोच जारोस्लाव सिलहावी ने मोल्दोवा के खिलाफ अंतिम सीटी बजने के तुरंत बाद इस्तीफा दे दिया। पिछले पांच साल से इस पद पर बने सिलहावी ने कहा कि उन्होंने मैच से पहले ही यह निर्णय कर लिया था।

इटली को ग्रूप सी में दूसरा स्थान हासिल करने और प्लेऑफ से बचने के लिए केवल एक अंक की जरूरत थी। उसने यूक्रेन के खिलाफ गोल रहित ड्रा खेल कर यह महत्वपूर्ण अंक अर्जित किया और जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई किया। इटली प्लेऑफ में हारने के कारण पिछले दो विश्व कप के लिए क्वालीफाई ही नहीं कर पाया था। यूक्रेन को ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए इटली पर जीत की जरूरत थी। उसे अब प्लेऑफ में खेलना पड़ेगा।

इंग्लैंड इस ग्रूप से पहले ही क्वालीफाई कर चुका था। उसने उत्तरी मेसेडोनिया से 1-1 से ड्रॉ खेल कर अपना अजेय अभियान जारी रखा। स्लोवेनिया और चेक गणराज्य को भी यूरो 2024 में जगह बनाने के लिए एक अंक की जरूरत थी। स्लोवेनिया ने कजाखस्तान को 2-1 से जबकि चेक गणराज्य ने मोल्दोवा को 3-0 से हराया।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम में दो नए चेहरे

जिम्बॉब्वे,21 नवंबर 2023 । वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो नए चेहरे अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए हैं।

विकेटकीपर शेन डाउरिच और सलामी बल्लेबाज केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी हुई है। डाउरिच ने अपना एकमात्र वनडे मैच 2019 में खेला था जबकि ओटले ने जनवरी 2021 में दो वनडे मैच खेले थे।

शाई होप की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन और छह दिसंबर को एंटीगा तथा नौ दिसंबर को बारबाडोस में वनडे मैच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीम के बीच पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है :- शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाज़े, यानिक कारिया, कीसी कार्टी,

रोस्टन चेज़, शेन डाउरिच, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, केजोर्न ओटले, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, ओशाने थॉमस।

वार्नर को भारत के खिलाफ टी 20 श्रृंखला से विश्राम

मेलबर्न, 21 नवंबर 2023 । ऑस्ट्रेलिया ने वनडे विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया है।

विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सर्वाधिक 535 रन बनाने वाले वार्नर को शुरू में मैथ्यू वेड की अगुवाई वाली टीम में शामिल किया गया था। विशाखापट्टनम में 23 नवंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए पिछले महीने ही टीम घोषित कर दी गई थी।

वार्नर की जगह ऑलराउंडर आरोन हार्डी को टीम में शामिल किया गया है और वह टीम से जुड़ चुके हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि वार्नर विश्व कप के सफल लेकिन चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद स्वदेश लौटेंगे।

वार्नर ने इस साल के शुरू में संकेत दिए थे कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला उनके टेस्ट करियर की अंतिम श्रृंखला हो सकती है लेकिन वह सीमित ओवरों के प्रारूप में खेलने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में पूछा गया था कि क्या उन्होंने अपना अंतिम वनडे विश्व कप खेल लिया है, इस पर प्रतिक्रिया करते हुए वार्नर ने कहा,किसने कहा कि मेरा करियर समाप्त हो गया है।टी20 श्रृंखला से वार्नर की अनुपस्थिति का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता टीम के केवल सात सदस्य भारत में रहेंगे। इन खिलाड़ियों में सीन एबॉट, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस और एडम ज़म्पा शामिल हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए सोमवार को टीम की घोषणा की थी जिसमें विश्व कप में भाग लेने वाले केवल तीन सदस्य कप्तान सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा शामिल हैं।

चार साल बाद मिलेगा भारत को ट्राफी जीतने का मौका

नई दिल्ली, 21 नवंबर 2023 ।आईसीसी विश्व कप 2023 का सफलता के साथ भारत में आयोजन पूरा हो चुका है। आईसीसी सफलता के साथ संपन्न हुआ है, जिसमें भारतीय टीम अंत में पहुंचने के बाद खिताब उठाने से एक कदम चूक गई। भारतीय टीम के हाथ में ये चमचमाती ट्रॉफी नहीं दिखी। इस ट्रॉफी को उठाने का मौका अब भारतीय टीम को चार साल के बाद ही मिलेगा। चार साल के लंबे इंतजार के बाद ही ये मौका आएगा जब भारतीय टीम फिर इस खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करेगी। चार साल के बाद अगला वन डे विश्व कप वर्ष 2027 में आयोजित होगा। वर्ष 2019 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिंबॉब्वे और नामीबिया के पास है। तीनों देश संयुक्त रूप से मिलकर विश्व कप का सफल आयोजन करेंगे।

यह दूसरा मौका है जब अफ्रीका महाद्वीप में वर्ल्ड कप का आयोजन किया जाएगा इससे पहले वर्ष 2003 में भी इसका आयोजन किया जा चुका है। अबाउट 2003 में दक्षिण अफ्रीका, जिंबॉब्वे और केन्या ने मिलकर विश्व कप टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। उसे टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गए थे हालांकि

कन्या ने सेमीफाइनल तक अपना सफर जारी रखा था। कन्या को भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में मात दी थी। वर्ष 2003 में यानी 20 वर्ष पहले आयोजित हुआ यह वर्ल्ड कप भारतीय टीम के लिए भी यादगार था। 1983 के बाद ही पहला मौका था जब भारतीय टीम विश्व कप के फाइनल मैच में पहुंची थी लेकिन उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

यह देश होंगे क्वालीफाई

आईसीसी विश्व कप 2027 में दक्षिण अफ्रीका और जिंबॉब्वे की टीम में जरूर हिस्सा लेंगे हालांकि नामीबिया के साथ ऐसा नहीं होगा। नामीबिया को विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा। अगली वर्ल्ड कप में कुल चौधरी में हिस्सा लेंगे जिनमें से दो टीमों के नाम पहले से ही तय हैं। अन्य 8 टीमों को अपनी जगह टूर्नामेंट में खेलने के लिए बनानी होगी।

वर्ल्ड कप 2027 में होगा

अगली वर्ल्ड कप के लिए कुल 14 टीमों का चयन किया जाएगा जो साथ टीमों में दो ग्रुप में बांटी जाएगी। यहां राउंड रोमन स्टेज के बाद दोनों ग्रूप में से टॉप 3 टीमों को अगली स्टेज में जगह मिलेगी। यानी दूसरे राउंड में कुछ हिंदी में हिस्सा लेंगे जिसमें एक ग्रूप की टीम दूसरे ग्रुप की सभी टीमों से एक-एक मैच खेलेगी। इस स्टेज में दो टीमों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा और जीतने वाली टीमों के बीच सेमीफाइनल मैच खेला जाएगा। सेमी फाइनल मैच जीतने वाली टीमों के बीच फाइनल मुकाबला खेला जाएगा इसके बाद खिताब की हकदार टीम का चयन होगा।

नीरज चोपड़ा ने क्रिकेट विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन के लिए मेन इन ब्लू की सराहना की

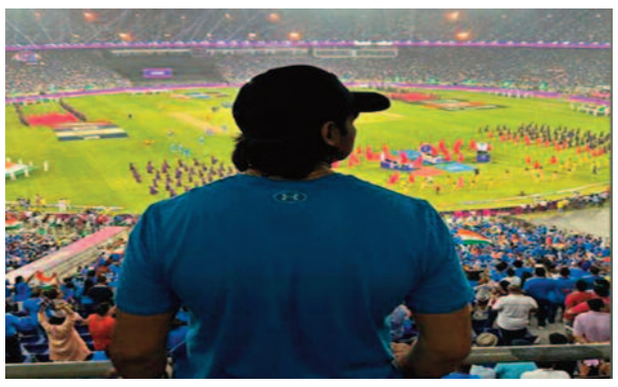

नई दिल्ली , 21 नवंबर 2023 । भारतीय ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने घरेलू मैदान पर आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया को बधाई दी।ऑस्ट्रेलिया ने अहमदाबाद में ट्रैविस हेड की मास्टरक्लास पारी के साथ मैच को भारत के नियंत्रण से बाहर कर अपना छठा क्रिकेट विश्व कप खिताब जीता। नीरज भी अहमदाबाद में मौजूद थे और उन्होंने कहा कि मेन इन ब्लू ने अपनी हार के बावजूद पूरे देश को गौरवान्वित किया है और यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसे कोई नहीं भूलेगा।नीरज ने कहा, ÷टीम इंडिया, आपने हमें गौरवान्वित किया। फाइनल में कड़ी किस्मत। यह हमारी रात नहीं थी, लेकिन एक टूर्नामेंट था जिसे हम कभी नहीं भूलेंगे।÷यह साल नीरज और टीम इंडिया के लिए यादगार रहा, क्योंकि उन्होंने विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय महिला हॉकी टीम घोषित

बेंगलुरु, 21 नवंबर 2023 । हॉकी इंडिया ने यहां साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में 22 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाले सीनियर राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर के लिए 34 सदस्यीय संभावित टीम घोषित की।

भारत को 15 से 22 दिसंबर के बीच वेलेंसिया में होने वाले पांच देशों के टूर्नामेंट में हिस्सा लेना है। भारत के अलावा इस प्रतियोगिता में आयरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और मेजबान स्पेन की टीम भाग लेगी। रांची में 13 जनवरी से शुरू होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स के लिए भारतीय टीम की तैयारी के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानिक शोपमैन ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,हमारे लिए लय बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अगले साल होने वाली प्रतियोगिताओं से पहले हम सही मानसिक स्थिति में रहें। उन्होंने कहा,हमारी निगाहें पेरिस ओलंपिक पर टिकी हैं और उसमें अपनी जगह सुरक्षित करने के लिए हमें रांची में अगले साल होने वाले एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।भारतीय खिलाड़ी इस महीने के शुरू में रांची में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने के बाद शिविर में वापसी करेंगे। भारत ने इस प्रतियोगिता के फाइनल में जापान को 4-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था।शोपमैन ने कहा, पांच देशों के टूर्नामेंट से हमें यूरोपीय टीमों के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा। इससे हमें अपनी रणनीति तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

केप टाउन का न्यूलैंड्स स्टेडियम एसए 20 सीजन दो फाइनल की मेजबानी करेगा

केप टाउन , 21 नवंबर 2023 । केप टाउन का न्यूलैंड्स स्टेडियम वह मंच होगा जहां 10 फरवरी को फाइनल में ₹20 सीजन दो के चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा। यह स्टेडियम 6 फरवरी को पहले क्वालीफायर की मेजबानी भी करेगा। वांडरर्स दो बैक की मेजबानी करेगा -टू-बैक नॉकआउट मैच ङ्क 7 फरवरी को एलिमिनेटर और 8 फरवरी को क्वालीफायर 2।एसए20 लीग के आयुक्त ग्रीम ग्रीम ने कहा, पहली गेंद फेंके जाने तक केवल 50 दिन बचे हैं, आज एक और महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि हम फाइनल के लिए केप टाउन शहर को अपना मेजबान शहर घोषित करते हैं और प्लेऑफ और फाइनल के लिए अपने स्थानों की पुष्टि करते हैं।÷ ₹20 की एक विज्ञप्ति के अनुसार, स्मिथ ने कहा। गर्मी और क्रिकेट हमेशा एक-दूसरे के पर्याय रहे हैं और जनवरी/फरवरी की वार्षिक विंडो के साथ, एसए20 ऐसा स्थान होगा।

आंगन अपनो का में अपने किरदार से प्रेरित हैं नीता शेट्टी

अभिनेत्री नीता शेट्टी पारिवारिक ड्रामा आंगन-अपनो का में दीपिका शर्मा का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह जीवन में सफल होने के लिए अपने किरदार के दृढ़ संकल्प से जुड़ी हैं।

आंगन-अपनों का एक बेटी की प्यारी कहानी है जो अपने पिता के प्रति अपने कर्तव्यों को अनिश्चितकाल तक पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। एक समसामयिक पारिवारिक ड्रामा शादी पर एक अनोखे दृष्टिकोण के साथ एक बेटी की दिल छू लेने वाली यात्रा का भी वादा करता है।पारिवारिक नाटक में महेश ठाकुर को तीन बेटियों - दीपिका (नीता शेट्टी), तन्वी (अदिति राठौड़) और पल्लवी (आयुषी खुराना) के एकल पिता की भूमिका में दिखाया गया है।शो में सबसे बड़ी बेटी की भूमिका में नीता कदम रख रही हैं। परिवार में सबसे बड़ी होने के कारण दीपिका अपने परिवार के लिए सहारा है और उन्होंने अपनी मां के निधन के बाद अपने भाई-बहनों और घर की देखभाल में अपने पिता की मदद की है।

पेशे से एयर होस्टेस दीपिका महत्वाकांक्षी और दृढ़निश्चयी होने के साथ-साथ अपनी शादीशुदा जिंदगी को संतुलित करने की कोशिश भी करती हैं।

उसी के बारे में बात करते हुए नीता ने कहा, दीपिका एक आम बड़ी बहन की तरह है, थोड़ी आधिकारिक है लेकिन दयालु दिल और अच्छे इरादों वाली है। मैं इस भूमिका को निभाने के लिए रोमांचित थी क्योंकि मैं उसके पिता के बोझ को कम करने के उसके दृढ़ संकल्प और जीवन में सफल होने की उसकी इच्छा से जुड़ी थी। किरदार में कई परतें हैं और ऐसे किरदार को चित्रित करना वास्तव में समृद्ध है।यह शो जल्द ही सोनी सब पर प्रसारित होगा।

डीपनेक रेड ड्रेस पहन नेहा मलिक ने फ्लॉन्ट किए बॉडी कर्व्स,सेक्सी अवतार देख छूटे फैंस के पसीने

भोजपुरी स्टार नेहा मलिक आए दिन अपनी बोल्ड फोटोज और वीडियोज शेयर कर इंटरनेट पर लाइमलाइट लूट लेती हैं। उनका हर एक अंदाज सोशल मीडिया पर शेयर होते ही ट्रेंड करने लगता है। हालांकि लोगों की नजरें भी उनके लुक पर से हटना मुश्किल हो जाती है। हाल ही में नेहा

मलिक के लेटेस्ट लुक ने सोशल मीडिया पर गरदा उड़ा दिया है। इन फोटोज में उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। नेहा मलिक अपनी एक्टिंग से ज्यादा अपने बोल्ड लुक और हॉट अंदाज के लिए फेमस हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की हॉट फोटोज फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। साथ ही उनके लुक ने लोगों को काफी इंप्रेस भी किया है। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट लुक में रेड कलर का शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो सिजलिंग अंदाज में जमीन पर बैठे हुए किलर अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपने रिश्तों को लेकर बातचीत पर चुप्पी तोड़ी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन भले ही अभी तक कॉफ़ी विद करण में अतिथि नहीं बने हों, लेकिन करण जौहर द्वारा होस्ट किए जाने वाले चैट शो में वह लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं, जिसका श्रेय उनकी लव लाइफ को जाता है, जो जनता से इतनी छिपी नहीं है। और अभिनेता ने अब आखिरकार अपने रिश्तों पर बार-बार चर्चा का मुद्दा बनने पर प्रतिक्रिया दी है।

कॉफ़ी विद करण के नवीनतम सीज़न में, केजेओ को अपने मेहमानों सारा अली खान और अनन्या पांडे के साथ चर्चा करते हुए देखा गया था कि कैसे उन दोनों ने एक ही आदमी ङ्क कार्तिक आर्यन को डेट किया। हालांकि उन दोनों ने स्पष्ट रूप से 'हां' नहीं कहा, केजेओ आगे बढ़े और यह पुष्टि करने की स्वतंत्रता ली कि अफवाहें वास्तव में सच थीं।

और अब, कार्तिक ने आखिरकार कॉफी काउच के हॉट टॉपिक होने के कारण अपने रिश्तों और समीकरणों पर बोलने का फैसला किया है। अभिनेता ने कहा कि वह चाहते हैं कि लोग केवल उनके पेशेवर जीवन के बारे में बात करें, न कि उनके निजी जीवन में चल रही घटनाओं के बारे में। जब कार्तिक से कॉफी विद करण में उनके

आसपास की बातचीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि एक चीज जो उनका मानना है वह यह है कि अगर दो लोग किसी रिश्ते में हैं, तो दूसरे व्यक्ति को भी इसके बारे में बात नहीं करनी चाहिए, भले ही यह काम न करे।उन्होंने कहा, ÷हम सबको अपने रिश्ते का सम्मान करना चाहिए। मैं अपने साथी से भी यही उम्मीद करता हूं। किसी के लिए रिश्ते के बारे में बोलना अच्छा नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि जब दो लोग एक रिश्ते में बंधते हैं, तो वे वास्तव में इस बारे में नहीं सोचते हैं कि आगे चलकर यह काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा, आपको उस समय, उस पल का सम्मान करना चाहिए। आपको खुद का भी सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब एक व्यक्ति रिश्ते के बारे में बात करता है, तो वे सिर्फ दूसरे आधे के बारे में नहीं बल्कि अपने बारे में भी बात करते हैं।

छत्तीसगढ़ पुलिस के हाथ झीरम की जांच

नक्सली अटैक में 30 से ज्यादा कांग्रेस नेता मारे गए थे, छत्तीसगढ़ पुलिस करेगी झीरम हमले की जांच, नक्सली अटैक में 30 से ज्यादा कांग्रेस नेता मारे गए थे

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। लंबे समय से प्रदेश सरकार छत्तीसगढ़ पुलिस से मामले की जांच करवाने की मांग कर रही थी। आखिरकार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई जिसमें एनआईए की अपील को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब झीरम घाटी नक्सली हमले की जांच अब छत्तीसगढ़ पुलिस करेगी।

मामले में कांग्रेस के पक्षकर वकील सुदीप्त श्रीवास्तव ने ये जानकारी दी है। 25 मई साल 2013, यह वह तारीख है जिसे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस अपने इतिहास का काला दिन मानती है। बस्तर के झीरम घाटी में माओवादियों ने कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा पर हमला किया था। इस हमले में महेंद्र कर्मा, नंद कुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, जैसे कांग्रेस के कई दिग्गज नेताओं की हत्या हो गई थी। कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा सुकमा से दरभा होते हुए जगदलपुर जा रही थी। सामने नंदकुमार पटेल, फिर कवासी लखमा का काफिला था।इनके बाद महेंद्र कर्मा का काफिला आ रहा था। झीरम घाटी पहुंचते ही जंगल से गाड़ियों पर अंधाधुंध गोलियां बरसनी शुरू हो गई थी। लोग संभल पाते तब तक कई लाशें बिछ चुकी थीं। बता दें कांग्रेस ने बीजेपी शासनकाल में हुए इस कांड को राजनीतिक हत्याकांड और साजिश बताया था।

झीरम कांड मामले में भूपेश बघेल ने किया ट्वीट, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा,अब सब साफ हो जाएगा

झीरम मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एनआईए की अपील खारिज कर दी है। अब छत्तीसगढ़ पुलिस झीरम कांड की जांच कर सकेगी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार एनआईए की जांच से संतुष्ट नहीं थी। इसके बाद झीरम हमले में मारे गए नेताओं के परिजनों की शिकायत पर छत्तीसगढ़ पुलिस ने नए सिरे से जांच शुरू कर दी थी। इसके बाद जांच पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा, झीरम कांड पर माननीय सुप्रीम कोर्ट का आज का फ़ैसला छत्तीसगढ़ के लिए न्याय का दरवाज़ा खोलने जैसा है। झीरम कांड दुनिया के लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड था। इसमें हमने दिग्गज कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोगों को खोया था। कहने को एनआईए ने इसकी जांच की, एक आयोग ने भी जांच की लेकिन इसके पीछे के वृहत राजनीतिक षडयंत्र की जांच किसी ने नहीं की। छत्तीसगढ़ पुलिस ने जांच शुरु की तो एनआईए ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाज़ा खटखटाया था। आज रास्ता साफ़ हो गया है। अब छत्तीसगढ़ पुलिस इसकी जांच करेगी। किसने किसके साथ मिलकर क्या षडयंत्र रचा था। सब साफ़ हो जाएगा। झीरम के शहीदों को एक बार फिर श्रद्धांजलि।

अब नहीं बजेगा डीजे ?

» ध्वनि प्रदूषण को लेकर सख्त हुआ हाईकोर्ट,

» सरकार को दिए ये निर्देश

बिलासपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। डीजे से हो रहे ध्वनि प्रदूषण को लेकर हाईकोर्ट ने स्वतःसंज्ञान लिया है। इस जनहित याचिका के साथ हस्तक्षेप याचिका पर हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा,जस्टिस अरविंद कुमार चन्देल की डबल बेंच ने शासन को प्रकरण में कार्रवाई की जानकारी देने कहा. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिए हैं कि, शहरों में साइलेन्स जोन घोषित कर डीजे प्रतिबंधित करना चाहिए।

डीजे के कानफोडू शोर से हो रही दिक्कतों पर चीफ जस्टिस ने 2 माह पूर्व 29 सितंबर को स्वतः संज्ञान लिया है. कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट द्वारा मामले में पूर्व के आदेशों का उल्लेख करते हुए इनके पालन के संबन्ध में मुख्य सचिव को रिपोर्ट देने का अंतरिम आदेश पारित किया था।

सुनवाई के दौरान युगल पीठ ने नाराजगी जाहिर करते हुए छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव को यह बताने को कहा कि उत्सवों के अवसर के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, डीजे द्वारा उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण के खतरे को खत्म करने के लिए क्या प्रयास किए? कोर्ट ने इस संबंध में एक विस्तृत शपथपत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। इस पर शासन ने नियम बनाकर डीजे प्रतिबन्धित करने की जानकारी दी।चीफ जस्टिस ने माना कि, अफसर ध्वनि प्रदूषण के खतरे को रोकने में कोई भी प्रयास करने में विफल रहे हैं।

कांग्रेसी नेताओं पर कार चढ़ाया

» एनएसयूआई के सचिव की होगी गिरफ्तारी

बिलासपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। रविवार की देर रात बिलासपुर शहर से एक बड़ी घटना सामने आई। जहां पर हिट एंड रन की घटना को अंजाम देते हुए कांग्रेस समर्थित छात्र संगठन एनएसयूआई के प्रदेश सचिव ने कांग्रेस नेताओं पर कार चढ़ाने की कोशिश की है। आरोप है कि अपनी दबंगई दिखाते हुए एनएसयूआई के प्रदेश सचिव ने कार में सवार होकर इन लोगों पर जानलेवा हमला कर उन्हें जान से मारने के उद्देश्य से घटना को

अंजाम दिया। इस घटना में दो लोग घायल हुए। जबकि उस वक्त और भी लोग वहां पर मौजूद थे जो इस घटना में बाल बाल बच गए। इस घटना में एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। जिसे उपचार हेतु अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरा जो घायल हुआ उसमे पैर में चोट आई है। इस मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की पतासाजी में जुट गई है।

नक्सलियों ने युवक की हत्या की

कांकेर,21 नवम्बर 2023(ए)। नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है. कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा क्षेत्र के ग्राम गोमे में नक्सलियों ने जन अदालत लगाकर ग्रामीण युवक को मौत की सजा देने की सूचना दी है. नक्सलियों ने घटनास्थल पर बैनर भी फेंका है. जानकारी के अनुसार, नक्सलियों ने ग्राम गोमे में जनअदालत लगाकर हत्या करने की बात कही है. मृतक युवक का नाम अमर सिंह उइका बताया जा रहा है. नक्सलियों ने घटनास्थल पर बैनर भी फेंका है.

युवक अमर सिंह पर डीआरजी के लिए मुखबिरी कर दो ग्रामीणों की हत्या करने का नक्सलियों ने आरोप लगाया है. इस घटना की जिम्मेदारी रावघाट एरिया कमेटी ने ली है. वहीं इस मामले में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने कहा है कि घटना की जानकारी मिली है और मामले की जांच की जा रही है.

सियासी दलों में चुनाव परिणाम को लेकर बढ़ी बेचैनी

एक्शन मोड में पर कांग्रेस दे रही है बड़ा संकेत

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है, लेकिन सियासी दल परिणाम को लेकर खासे बेचैन नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि कोई भी दावे के साथ कुछ कहने की स्थिति में नहीं है।ऐसे में दोहरी रणनीति के तहत एक्शन मोड में नजर आ रही कांग्रेस कोई बड़ा संकेत दे रही है।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने अबकी बार 75 पार का नारा दिया है। भाजपा भी लगातार यह दावा करती नहीं थक रही है कि दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनेगी, लेकिन चुनाव के बाद हालात जुदा नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के नेता चुनाव अभियान की समीक्षा में जुटे हैं।

प्रत्याशियों से वन टू वन बातचीत की जा रही है। पार्टी का इंटरनल असेसमेंट है कि कांग्रेस को 55 से 60 सीटें मिल सकती है। वहीं भाजपा चुनाव के बाद से अब तक साइलेंट मोड में नजर आ रही है। लेकिन पार्टी के नेता बहुमत के करीब यानी 46 से 52 सीटों तक पहुंचने का

अनुमान जता रहे हैं।

इस बीच एक तरफ कांग्रेस में जहां मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग अलग बयान भी सुनने मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में चुनाव खत्म होने के बाद भी कांग्रेस एक्टिव मोड में नजर आ रही है।

एक तरफ कांग्रेस प्रत्याशियों को बुलाकर चुनाव अभियान की समीक्षा कर रही है तो दूसरी तरफ बागियों पर लगातार कार्रवाई भी हो रही है। कांग्रेस के इस एक्टिवनेस के क्या हैं मायने? आखिर क्यों परिणाम से पहले ही समीक्षा में जुटी है कांग्रेस?वहीं पार्टी ने बागियों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज कर दी है। कांग्रेस ने अब तक दर्जनभर से अधिक लोगों को पार्टी के खिलाफ काम करने की वजह से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। करीब इतने ही लोगों को पार्टी ने कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है।वहीं कांग्रेस ने ऑपरेशन लोटस को लेकर भी अपने प्रत्याशियों को दिशानिर्देश दिए हैं। प्रत्याशियों से कहा है कि जीत का सर्टिफिकेट लेते ही उन्हें रायपुर आना है। प्रत्याशियों को पार्टी के संपर्क में लगातार बने रहने को कहा गया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ की राजनीति का तापमान

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। येन चुनाव परिणाम आने के 12 दिन पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने छत्तीसगढ़ की राजनीति में तापमान को बढ़ा दिया है। मामला झीरम हत्याकांड की जाँच को लेकर सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले के बाद प्रदेश की सियासत एम् एकबार फिर से तपिस महसूस की जाने लगी है।

सीएम ने जहां अपने ट्वीट में भाजपा पर सवाल उठाये थे तो वही बीजेपी के प्रदेश प्रमुख अरुण साव ने भी इस पर पलटवार किया है। वहीं अरूण साव ने कहा सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आया है अब भूपेश बघेल जो लगातार कहते थे झीरम सच मेरे जेब में है, पता नहीं वो किसको बचाने के लिए सबूत जेब में रख कर घूम रहे थे? अब वह बाहर निकलेगा।

गौरतलब है कि झीरम हत्याकांड की जांच कर रही एनआईए को आज सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए के उस अपील को खारिज कर दिया जिसमे उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से दर्ज कराई गई एफआईआर को ख़ारिज करने की मांग की थी। अब इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ पुलिस कर सकेगी। कोर्ट ने आदेश दिया है कि प्रदेश की पुलिस इस पूरे मामले की जाँच करे वह इस मामले में दखल नहीं देंगे। इस निर्णय के बाद प्रदेश के एम भूपेश बघेल ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा कि 'झीरम कांड पर माननीय सुप्रीम कोर्ट का आज का फैसला छत्तीसगढ़ के लिए न्याय का दरवाज़ा खोलने जैसा है। झीरम कांड दुनिया के लोकतंत्र का सबसे बड़ा राजनीतिक हत्याकांड था। इसमें हमने दिग्गज कांग्रेस नेताओं सहित 32 लोगों को खोया था। कहने को एनआईए ने इसकी जांच की, एक आयोग ने भी जांच की, लेकिन इसके पीछे के वृहद् राजनीतिक षडयंत्र की जांच किसी ने नहीं की।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने जांच शुरु की तो एनआईए ने इसे रोकने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। आज रास्ता साफ़ हो गया है। अब छत्तीसगढ़ पुलिस इसकी जांच करेगी। किसने किसके साथ मिलकर क्या षडयंत्र रचा था। सब साफ हो जाएगा। झीरम के शहीदों को एक बार फिर श्रद्धांजलि।

अरुण साव ने झीरम कांड से अलग कई दूसरे सवालों का भी जवाब दिया है। भाजपा के भीतरघातियों कार्यवाही के सवाल पर कहा कि ये विषय हमारे विचार अधीन है जैसे जिलों की रिपोर्ट आएगी हम कार्यवाही करेंगे।

लेकिन मैं स्पष्ट कर देता हूं किसी भी तरह की अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कुछ शिकायतें आई है उस पर विचार कर निर्णय लिया जाएगा। जरूरत पड़ेगी तो टीएस सिंहदेव से संपर्क करेंगे क्या ? पूछने पर इसे टालते हुए अरुण साव कहा कि हमको स्पष्ट बहुमत मिल रहा है।

22 हजार मतपत्र पर रमन सिंह ने उठाये सवाल

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में दोनों चरण के विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं अब जनता को 3 दिसंबर को मतों की गिनती होगी। मतगणना से पहले चुनाव ड्यूटी से नाम हटवाने वाले 22 हजार कर्मचारियों के मतदान न करने को लेकर पूर्व सीएम रमन सिंह ने सवाल उठाए हैं। मिली जानकारी के अनुसार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा कंगाले ने कहा, जब कर्मचारियों ने मतदान से अपनी ड्यूटी हटवा ली, तो उनके वोट का सवाल ही नहीं उठता। वहीं रमन ने मुख्य ड्ढ निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ को टैग कर ट्विट किया है और इसे निर्वाचन प्रक्रिया में चूक बताया है। उन्होंने लिखा मतदान ड्यूटी में शामिल होने के बाद नाम हटवाने वाले कई कर्मचारी मतदान नहीं कर पाए हैं। इन अधिकारी- कर्मचारियों के लोकतंत्र की रक्षा के लिए मतदान पर फैसला लेने का न निवेदन करता हूं। आयोग के अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा कर बताया कि पहले चरण में 17 हजार से ज्यादा डाक मत जमा हुए।

इस दौरान छत्तीसगढ़ की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा कंगाले ने कहा कि, जिन कर्मचारियों की चुनाव में ड्यूटी लगी थी, उन्होंने डाक मत पत्र के लिए आवेदन किया था। जब चुनाव ड्यूटी से उनका नाम हट गया, तो वह पोस्टल बैलेट हमारे पर रखा रहा। उनके वोट का सवाल ही नहीं उठता। जब मतदान नहीं किया, तो ऐसे डाक मतपत्र जमा करने का सवाल ही नहीं उठता।

वहीं दूसरे चरण के मतदान के दौरान 18 हजार 833 मतदान केंद्र बने थे। इस चरण में 90 हजार 272 अधिकारी- कर्मचारी चयनित किए गए थे। इनमें से 75 हजार 332 की ड्यूटी लगी थी। 14 हजार अधिकारी-कर्मचारियों को रिजर्व में रखा गया। इनमें से तय समय तक 71 हजार 427 लोगों ने डाक मत पत्र जमा किया है।

छत्तीसगढ़ में आयोग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, पहले चरण के चुनाव में 5300 मतदान केंद्र बनाए गए थे। इन मतदान केंद्रों में 25 हजार 420 अधिकारी-कर्मचारियों को ड्यूटी करने के लिए चयनित किया गया था। इनमें से 21 हजार 216 अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। 4 हजार 204 लोगों को रिजर्व में रखा गया था। पहले चरण में 17 हजार 234 अधिकारी-कर्मचारियों ने डाक मत पत्र समय पर जमा किया।

ऑपरेशन लोटस पर टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। प्रधानमंत्री मोदी के बयान पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव ने बताया, आईना हमेशा सामने रहता है, वो बताता है कि सच्चाई क्या है। हर तरफ ऑपरेशन लोटस की बातें हो रही हैं। ये कहां से आती हैं। पहले देश को इसकी जानकारी मिलनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ में बनेगी भाजपा की सरकार

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा, जनता का मत ईव्हीएम कैद हो चुका है. सबने भाजपा को आशीर्वाद दिया है. 3 दिसंबर को जनता को राज्य के कुशासन से मुक्ति मिलेगी।

राज्य विकास की ओर आगे बढ़ेगा. दिसंबर का महीना

छत्तीसगढ़ की दृष्टि से महत्वपूर्ण है. भाजपा की सरकार 3 दिसंबर को बनेगी। नए विश्वास के साथ छत्तीसगढ़ आगे बढ़ने वाला है. कांग्रेस के झूठे प्रोपेगंडा को जनता ने करारा जवाब दिया है, जिसका परिणाम 3 दिसंबर को आएगा।

साव ने कहा, हर प्रकार के हथकंडे कांग्रेस ने अपनाए, लेकिन जनता ने भाजपा के पक्ष में अपना फैसला दिया है. माताओं बहनों को ठगने का काम, माताओं बहनों के साथ अत्याचार कांग्रेस ने किया. 3 दिसंबर को माताओं के खाते में 1 हजार रुपये मोदी की गारंटी मिलना चालू हो जाएगा. 18 लाख गरीब परिवारों को मकान देंगे. सरकार का पहला कैबिनेट इस विषय में निर्णय लेगा।

महादेव एप:असीम दास का ईडी को लिखा कथित पत्र हो रहा वायरल

» किसी बघेल, वर्मा या कांग्रेसी नेता-कार्यकर्ता से नहीं संबंध

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। महादेव एप मामले में गिरफ्तार आरोपी असीम दास का प्रवर्तन निदेशालय के संचालक को लिखा एक कथित हस्तलिखित पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। कथित पत्र में उसने शुभम सोनी उर्फ पिंटू और उसके साथियों द्वारा षड़यंत्रपूर्वक फंसाए जाने की बात कहते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वर्मा या कांग्रेस पार्टी के किसी नेता-कार्यकर्ता को पैसे या अन्य किसी तरीके से पैसे या अन्य प्रकार से सहयोग पहुंचाने से इंकार किया है।

असीम दास के कथित पत्र के अनुसार, उसने जेल दाखिल होने के बाद अख़बार में जब खुद से संबंधित खबर पढ़ी तो वह हैरान हो गया। दास के अनुसार शुभम् सोनी के वह दुबई में मिला था और सोनी ने उसे छत्तीसगढ़ में कंस्ट्रक्शन कारोबार में मदद का वादा कर वापस छत्तीसगढ़ भेजा था।

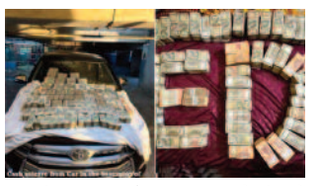

पत्र में लिखता है कि अख़बारों में जो बात लिखी गई है कि उसके पास से जप्त की गई नगद राशि को वह छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को देने आया था, वह पूर्णतः असत्य है.।उसे बहुत बड़े षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है।

असीम दास के कथित पत्र ने अनुसार, वह शुभम् सोनी के साथ वह बचपन में क्रिकेट खेलता था. 8 अक्टूबर 23 को वह उससे मिलने दुबई गया। दुबई में सोनी के सहयोगियों ने उसे दुबई घुमाया पर सोनी से मुलाक़ात नहीं हुई और वह भारत वापस आ गया।

इसके बाद 25 अक्टूबर 23 को वह फिर से दुबई गया, अबकी बार उसकी शुभम सोनी से मुलाकात हुई। सोनी ने उसे छत्तीसगढ़ में कंस्ट्रक्शन कारोबार में मदद का वादा कर वापस भेजा और समय आने पर यूरोप शिफ्ट करने का आश्वासन दिया. शुभम् सोनी इस दौरान दुबई छोड़कर ऐम्सटर्डम या लंदन में शिफ्ट होने की बात कर रहा था।

पत्र के अनुसार, सोनी के लोगों ने असीम दास को एप्पल कंपनी का फ़ोन दिया। उसे बताया गया कि रायपुर एयरपोर्ट पर एक काली इनोवा गाड़ी उसे मिलेगी, जिसे लेकर उसे ट्राइटन होटल जाना है। होटल जाने के बाद रात 2 बजे उसे मेन रोड आने बोला गया।

रोड में एक आदमी ने उसे कार्बन कंपनी का मोबाइल दिया। थोड़ी देर में उसकी गाड़ी में किसी ने नोट से भरे बैग रखे। गाड़ी पार्किंग करने के बाद वह रूम चला गया, जहां अचानक उसे ईडी के अधिकारियों ने गिरफ़्तार कर लिया और अंग्रेज़ी बयान पर उससे साइन कराया गया।

चिट्ठी में असीम दास ने अपनी गिरफ़्तारी को षड्यंत्र बताते हुए कहा कि उसे फँसाया जा रहा है और उसने पूरे प्रकरण की जाँच की माँग की है।

कवासी लखमा ने कहा मुझे मंत्री बनने का कोई लालच नहीं

रायपुर,21 नवम्बर 2023(ए)। टीएस सिंहदेव, दीपक बैज बड़े नेता, मैं दरी बिछाने वाला और झंडा उठाने वाला कार्यकर्ता. टीएस सिंहदेव और दीपक बैज की अपनी-अपनी राय, लेकिन मेरी राय में आगे भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को होना चाहिए. भूपेश बघेल देश के सबसे बढ़िया मुख्यमंत्री हैं. उन्होंने आदिवासियों को लिए बहुत काम किया. यह बात कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही बयानबाजी के बीच मंत्री कवासी लखमा ने कही.फिर से प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर मंत्री बनने के सवाल पर कवासी लखमा ने कहा कि मंत्री बनना कौन नहीं चाहता, मैं भी चाहता हूं, लेकिन ये हाईकमान तय करेगा. वो बोलेंगे तो मंत्री बनूंगा, दरी बिछाने को बोलेंगे, तो दरी बिछाऊंगा. कांग्रेस सरकार आने पर अगले मुख्यमंत्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि मेरी पसंद, आदिवासियों और किसानों की पसंद भूपेश बघेल हैं. बाकी हाईकमान जो निर्णय ले. मुझे मंत्री बनने का कोई लालच नहीं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)